NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 320 लखनऊ, रविवार 07 जुलाई 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

हरियाणा में भाजपा के सामने कई चुनौतियां, क्या विधानसभा चुनाव में सतीश पुनिया करा पाएंगे पार्टी का बेड़ा पार!

एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा क्षेत्रों में, भाजपा ने 90 में से 44 सीटों पर बढ़त बनाई, उसके बाद कांग्रेस 42 सीटों पर आगे रही, और ।ि शेष चार सीटों पर आगे रही। न तो जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) और न ही इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) किसी भी क्षेत्र में आगे रहीं। हरियाणा में अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डॉ. सतीश पुनिया और राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर को क्रमशः हरियाणा भाजपा का प्रभारी और सह–प्रभारी नियुक्त किया है। यह घोषणा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा राज्य इकाइयों के लिए प्रभारियों और सह–प्रभारियों की अखिल भारतीय विज्ञप्ति के हिस्से

के रूप में की गई थी। सतीश पुनिया, जो पहले राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे, त्रिपुरा के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब की जगह लेंगे। इन नियुक्तियों का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधानसभा क्षेत्र स्तर पर हालिया मतदान डेटा हरियाणा में प्रतिस्पर्धी दौड़ का सुझाव देता है। यदि आज चुनाव होते हैं, तो डेटा एक विभाजित घर का संकेत देता है, जिसमें विपक्षी इंडिया गुट के प्रमुख गठबंधन के रूप में उभरने की संभावना है। यह भविष्यवाणी 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद आई है, जहां भाजपा के प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई थी। पार्टी की सीटों की संख्या 2019 में प्रमुख स्थिति से घटकर हालिया चुनावों में केवल पांच सीटें हासिल कर पाई, जबकि कांग्रेस ने अपनी पांच सीटों के साथ इसकी बराबरी कर ली। इसके अलावा, बीजेपी का वोट शेयर 58.21ः से घटकर 46.11ः हो गया, जबकि कांग्रेस का वोट शेयर 28.51ः से बढ़कर 43.67ः हो गया। विधानसभा क्षेत्रों में, भाजपा ने 90 में से 44 सीटों पर बढ़त बनाई, उसके बाद कांग्रेस 42 सीटों पर आगे रही, और ।ि शेष चार सीटों पर आगे रही। न तो जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) और न ही इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) किसी भी क्षेत्र में आगे रहीं। इससे पता चलता है कि बीजेपी सरकार बनाने के लिए जरूरी 46 सीटों के बहुमत के आंकड़े से कुछ ही पीछे रह जाएगी। इसके विपरीत, कांग्रेस और आप की संयुक्त संख्या से इंडिया ब्लॉक को साधारण बहुमत मिल जाएगा। हालाँकि, इस बार कांग्रेस और ।ि के बीच गठबंधन की कमी ने भाजपा को कुछ राहत दी है। हरियाणा की राजनीति में जातिगत समीकरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो बताता है कि क्यों प्रमुख दावेदार चुनावों से पहले उन्हें संतुलित करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। हरियाणा में, ओबीसी मतदाताओं का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 30ः है, इसके बाद जाट लगभग 25ः और अनुसूचित जाति (एससी) लगभग 20ः हैं। ओबीसी समुदाय पर प्रभावी ढंग से निशाना साधने के लिए

माफियाओं और दबंगों के खिलाफ योगी ने फिर दिखाए सख्त तेवर

संवाददाता।

गोरखपुर। सरकारी और निजी जमीनों पर भू माफियाओं और दबंगों की हमेशा नजर रहती है। वह इसे हथिया कर ऊंचे दामों पर उन लोगों को बेच देते हैं जिनको यह नहीं पता होता है कि जमीन की वैधानिक स्थिति क्या है। परिणाम स्वरूप कई बार भूमाफियों के चंगुल में फंस कर लोग अपनी उम्र भर की कमाई लुटा बैठते हैं। इसी से चिंतित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके

खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी 06 जुलाई को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान करीब 400 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए

सूरत में बड़ा हादसा, भरभराकर गिरी पांच मंजिला इमारत, बिल्डिंग में थे 5-6 लोग, रेस्क्यू जारी

एजेंसी।

गुजरात सूरत के सचिन पाली गांव में शनिवार दोपहर एक 6 मंजिला इमारत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे में 10 से ज्यादा लोगों के फंसे होने की आशंका है। सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने कहा कि आज दोपहर करीब 3 बजे सचिन इलाके में एक छह मंजिला

इमारत ढह गई। गुजरात के सूरत में शनिवार को 6 मंजिला इमारत गिरने से कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अभियान जारी है लेकिन इमारत ढहने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूरत के सचिन पाली गांव में शनिवार दोपहर एक 6 मंजिला इमारत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे में 10 से ज्यादा लोगों के फंसे होने की आशंका है। सूरत के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने कहा कि आज दोपहर करीब 3 बजे सचिन इलाके में एक छह मंजिला इमारत ढह गई। उस बिल्डिंग में रहने वाले कई लोग अंदर फंस गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मलबे में दबी एक महिला को सफलतापूर्वक बचाया गया। इमारत के अंदर 30 फ्लैटों में से 4–5 फ्लैट भरे हुए थे और बाकी खाली थे। कई लोग काम पर थे और जो लोग रात की पाली के बाद सो रहे थे वे फंस गए। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सभी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि 5–6 लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमारत का निर्माण 2017–18 में किया गया था लेकिन यह 6 साल में ही जर्जर हो गई। सूरत नगर निगम ने इमारत के मालिक को इसे खाली करने का आदेश भी दिया था. वहां रहने वाले अधिकांश परिवार पहले ही इमारत खाली कर चुके थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वहां केवल 5–6 परिवार रहते थे जबकि मालिक विदेश में रहता है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए का क्या होगा भविष्य, कीर स्टार्मर ने साफ किया अपना स्टैंड

एजेंसी।

भारत और ब्रिटेन कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के साथ दो साल से अधिक समय से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दोनों देशों में आम चुनाव चक्र के बीच 14वें दौर में बातचीत रुक गई थी। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने शनिवार सुबह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और कहा कि वह एक मुक्त व्यापार समझौते को समाप्त करने के लिए तैयार हैं जो दोनों पक्षों के लिए काम करेगा। भारत और ब्रिटेन कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के साथ दो साल से अधिक समय से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दोनों देशों में आम चुनाव चक्र के बीच 14वें दौर में बातचीत रुक गई थी। स्टार्मर के नेतृत्व वाली नई लेबर सरकार द्वारा उठाए जाने की उम्मीद है, जिसे इस सप्ताह भारी बहुमत से वोट दिया गया था। शनिवार को ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री की इंडो–पैसिफिक से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कॉल के डाउनिंग स्ट्रीट रीडआउट के अनुसार, ऐसा लगता है कि मोदी के साथ जापान और ऑस्ट्रेलिया के बाद पहली कॉल हुई है। मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि वह एक ऐसा समझौता करने के लिए तैयार हैं जो दोनों पक्षों के लिए काम करेगा। नेताओं को यथाशीघ्र मिलने की उम्मीद है। दोनों पक्ष जनवरी 2022 से GBP 38.1 बिलियन द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने के लिए एक समझौता करने की दिशा में काम कर रहे हैं, जब बोरिस जॉनसन ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे। ब्रिटेन में राजनीतिक उथल–पुथल से जूझना पड़ा, जिसके कारण पहले लिज ट्रस का प्रधान मंत्री अल्पकालिक रहा, उसके बाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के पहले भारतीय प्रधान मंत्री बने।

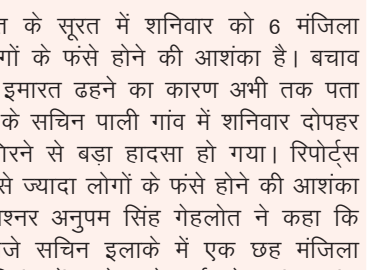

चिदंबरम के पार्ट टाइमर वाले बयान भड़के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड, कहा– यह माफी योग्य नही

एजेंसी

नई दिल्ली जगदीप धनखड़ ने कहा कि क्या हम संसद में अंशकालिक हैं? संसद के विवेक का अक्षम्य अपमान हैं। मैं शब्दों से परे स्तब्ध हूं। कृपया उन दिमागों से सावधान रहें जो जानबूझकर एक रणनीति के रूप में, कथा के माध्यम से, हमारे देश को नीचा दिखाने, हमारी संस्था को नीचा दिखाने, हमारी प्रगति को धूमिल करने की कोशिश करते हैं। तीन नए आपराधिक कानूनों पर पी चिदंबरम की तीखी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री के बयान को श्अक्षम्यश करार दिया और मांग की कि पूर्व केंद्रीय मंत्री को अपना श्अपमानजनक और बदनाम करने वाला बयान वापस लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब सुबह मैंने एक प्रमुख राष्ट्रीय दैनिक को दिए गए चिदम्बरम के साक्षात्कार को पढ़ा तो मैं शब्दों से परे चौंक गया, जिसमें

उन्होंने कहा कि नए कानूनों का मसौदा अंशकालिक लोगों द्वारा तैयार किया गया था। क्या हम संसद में पार्ट टाइमर हैं? यह संसद के विवेक का अक्षम्य अपमान है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि क्या हम संसद में अंशकालिक हैं? संसद के विवेक का अक्षम्य अपमान हैं। मैं शब्दों से परे स्तब्ध हूं। कृपया उन दिमागों से सावधान रहें जो जानबूझकर एक रणनीति के रूप में, कथा के माध्यम से, हमारे देश को नीचा दिखाने, हमारी संस्था को नीचा दिखाने, हमारी प्रगति को धूमिल करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वे आलोचना के लिए आलोचना में लगे रहते हैं। मेरे पास इतने मजबूत शब्द नहीं हैं कि मैं इस तरह की कहानियों की निंदा कर सकूं। एक सांसद को अंशकालिक करार दिया जा रहा है...मैं इस मंच से उनसे अपील करता हूं कि कृपया इस अपमानजनक, और सांसदों के प्रति अत्यधिक अपमानजनक टिप्पणी को वापस लें। मुझे आशा है कि वह ऐसा करेगा। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि दीर्घावधि में, तीन कानूनों को संविधान और आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप लाने के लिए उनमें और बदलाव किए जाने चाहिए। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ब्रिटिश काल के क्रमशरू भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान ले लिया है। चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तथाकथित नए कानूनों का 90–99 फीसदी अंश कांट–छांट करने, नकल करने और इधर से उधर चिपकाने का काम है। यह काम मौजूदा तीन कानूनों में कुछ बदलाव करके किया जा सकता था लेकिन यह व्यर्थ कवायद बना दी गयी।

'' उन्होंने कहा, ''हां, नए कानूनों में कुछ सुधार किए गए हैं और हम उनका स्वागत करते हैं। उन्हें संशोधन के रूप में पेश किया जा सकता था।

दूसरी ओर, कई प्रतिगामी प्रावधान भी है। कुछ बदलाव प्रथम दृष्टया असंवैधानिक हैं।''

विक्रवंडी में बड़ी जीत पर दर्ज करने पर स्टालिन का फोकस, एआईएडीएमके ने कैसे कर दी राह आसान

एजेंसी।

नई दिल्ली एनडीए के सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और नाम तमिलर काची (एनटीके) भी हैं। इसका उद्देश्य 10 जुलाई को होने वाले उपचुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की संभावनाओं को कम करना और पर्याप्त लाभ हासिल करना है। तमिलनाडु में विक्रवांडी उपचुनाव में मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के मैदान से बाहर रहने के कारण, द्रविड़ मुनेत्र

कड़गम (डीएमके) को आसान जीत का भरोसा है, जबकि एनडीए के सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और नाम तमिलर काची (एनटीके) भी हैं। इसका उद्देश्य 10 जुलाई को होने वाले उपचुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की संभावनाओं को कम करना और पर्याप्त लाभ हासिल करना है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने विक्रवांडी क्षेत्र में उपचुनाव का बहिष्कार किया है, और संदेह व्यक्त किया है कि चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से नहीं कराए जा सकते हैं। कुल 2,34,624 मतदाताओं वाला विक्रवंडी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 6 अप्रैल, 2024 को डीएमके विधायक एन पुगाझेंथी के निधन के बाद खाली हो गया। डीएमके अपने उम्मीदवार अन्नियुर शिवा के लिए भारी जीत का लक्ष्य बना रही थी क्योंकि एआईएडीएमके ने उपचुनाव का बहिष्कार करने का फैसला किया था। एनडीए की सहयोगी पीएमके ने सी अंबुमणि को उम्मीदवार बनाया है, जबकि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में पहचान हासिल करने वाली तमिल समर्थक पार्टी एनटीके ने डॉ. अभिनय को मैदान में उतारा है। तीनों उम्मीदवार वन्नियार समुदाय से हैं। अभियान चलाने वाले मंत्रियों की एक श्रृंखला के साथ, 18 जून को पड़ोसी कल्लाकुरिची जिले में हुई जहरीली शराब त्रासदी से पहले तक द्रमुक की जीत सुनिश्चित मानी जा रही थी, जिसमें 65 लोग मारे गए थे।

बंगाल की 4 विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को उपचुनाव, बीजेपी–तृणमूल आमने–सामने

एजेंसी।

नई दिल्ली तीन विधानसभा क्षेत्रों– रायगंज, राणाघाट दक्षिण और बागदाह में भाजपा विधायकों ने पार्टी बदल ली और टीएमसी में शामिल हो गए और हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में हार गए। विधानसभा क्षेत्र मानिकतला, पारंपरिक रूप से कांग्रेस की सीट है, जिसे हाल के चुनावों में टीएमसी के गढ़ के रूप में देखा गया था। हालांकि, पांडे की मृत्यु के महीनों बाद भी इस सीट पर उपचुनाव नहीं हो सका, क्योंकि भाजपा उम्मीदवार कल्याण चौबे ने मतदान में अनियमितता का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की थी। 2021 के चुनावों के दौरान और वोटों की दोबारा गिनती की मांग की। कानून उस सीट के लिए तब तक कोई भी चुनाव कराने से मना करता है जब तक कि उस सीट से संबंधित किसी भी चुनाव याचिका

का अदालत में समाधान नहीं हो जाता। 29 अप्रैल, 2024 को चौबे ने अदालत से अपनी चुनाव याचिका वापस ले ली, जिससे इस सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। टीएमसी ने इस सीट पर साधन पांडे की पत्नी सुप्ति पांडे को बीजेपी के कल्याण चौबे के खिलाफ मैदान में उतारा है, जिन्होंने पहले 2021 में साधन पांडे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। 2021 में भाजपा ने रायगंज विधानसभा सीट जीती थी, लेकिन पार्टी विधायक कृष्णा कल्याणी टीएमसी में शामिल हो गईं। उन्हें रायगंज से संसदीय उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया गया था, लेकिन वह भाजपा उम्मीदवार कार्तिक पॉल से लोकसभा चुनाव हार गए।

जालंधर पश्चिम उपचुनाव बना आप के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई, भगवंत मान ने खुद संभाला मोर्चा

एजेंसी।

पंजाब मान पिछले कुछ हफ्तों से जालंधर में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने आप उम्मीदवार मोहिंदर भगत की जीत सुनिश्चित करने के लिए शहर में किराए पर एक घर भी लिया है। लोकसभा नतीजों के बाद निराश हुए कैडर का उत्साह बढ़ाने के लिए पार्टी का लगभग पूरा मंत्रिमंडल और हर विधायक इस निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहा है। पंजाब में अपनी लोकसभा हार से उत्साहित होकर, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप, 10 जुलाई को होने वाले जालंधर (पश्चिम) उपचुनाव को जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भगवंत के साथ आप ने उपचुनाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदल दिया है। मान पिछले कुछ हफ्तों से जालंधर में डेरा डाले हुए

हैं। उन्होंने आप उम्मीदवार मोहिंदर भगत की जीत सुनिश्चित करने के लिए शहर में किराए पर एक घर भी लिया है। लोकसभा नतीजों के बाद निराश हुए कैडर का उत्साह बढ़ाने के लिए पार्टी का लगभग पूरा मंत्रिमंडल और हर विधायक इस निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार कर रहा है। पंजाब में सभी 13 लोकसभा सीटें जीतने का दावा करने के बावजूद आप सिर्फ तीन सीटों पर विजयी रही। कांग्रेस ने सात सीटें जीतीं, जबकि शिरोमणि अकाली दल को एक सीट मिली। दो सीटें निर्दलीयों ने जीतीं। जालंधर (पश्चिम) उपचुनाव की घोषणा इस निर्वाचन क्षेत्र से आप विधायक शीतल अंगुराल के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद की गई थी। आप के मोहिंदर भगत का प्रचार अभियान मान संभाल रहे हैं। वह सीट हासिल करने के लिए जनता और उद्योगपतियों के साथ रोड शो और बैठकें कर रहे हैं।उन्होंने यहां तक घ्घ्कहा है कि वह मतदान के बाद तीन दिन और जालंधर में रहेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि माझा और दोआबा क्षेत्र के लोगों को अपनी समस्याओं के लिए चंडीगढ़ न जाना पड़े।

एक जर्जर मकान का छज्जा गिरने से तीन बच्चों की मौत

संवाददाता।

फरीदाबाद के सेक्टर 58 थाना के प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि तीनों बच्चे आपस में भाई–बहन थे और उनका पिता धर्मेंद्र कंपनी में काम करता है, जबकि मां रेहड़ी पर सामान बेचती है। हरियाणा में फरीदाबाद के सीकरी इलाके में एक जर्जर मकान के छज्जा के गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि तीनों की पहचान 12 वर्षीय आदित्य कुमार, 10 वर्षीय मुस्कान और आठ वर्षीय आकाश के रूप में हुई है जो आपस में भाई–बहन थे। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब सात बजे ये बच्चे घर के बाहर छज्जे के नीचे खेल रहे थे, तभी अचानक उसका छज्जा उनके ऊपर गिर गया। सीकरी चौकी प्रभारी ललित ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिलते ही एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्चों का मलबे से निकालकर बादशाह खान सिविल अस्पताल ले गयी लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। फरीदाबाद के सेक्टर 58 थाना के प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि तीनों बच्चे आपस में भाई–बहन थे और उनका पिता धर्मेंद्र कंपनी में काम करता है, जबकि मां रेहड़ी पर सामान बेचती है। उनके अनुसार इस घटना के समय घर में माता–पिता में से कोई नहीं था। लोगों का कहना है कि धर्मेंद्र का परिवार जिस मकान में रहता है, वह मकान जर्जर हो चुका था और संभवतरू इसी वजह से छज्जा गिरा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 07 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मनाई गई बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि

बाबू जगजीवन राम जी के पुण्यतिथि के मौके पर कांग्रेस आयोजित करेगी तीन दिवसीय दलित बस्तियों में सहभोज

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक न्याय के योद्धा एवं पूर्व कांग्रेस नेता रहे स्व0 बाबू जगजीवन राम जी की पुण्यतिथि के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने बाबू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाबू जगजीवन राम जी की पुण्यतिथि के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी निर्देश पर पूरे प्रदेश में दलित बस्तियों में तीन दिवसीय सहभोज कार्यक्रम चलाया जायेगा। उसी अनुक्रम में आज अजय राय ने खुर्रम नगर गांव में विनोद रावत के आवास पर आयोजित सहभोज में शामिल होकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत कर दी है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है दलित संवाद। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर वहां के लोगों से बातचीत करेंगे एवं उनकी परेशानियां साझा करेंगे और उनसे स्नेह का रिश्ता कायम करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक इन्दल रावत, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह, सुनीता रावत, अनामिका यादव, महताब जायसी आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे। बाबू जगजीवन राम जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय ने कहा कि बाबू जी छात्र जीवन से ही स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय थे। हालांकि, उनका काम स्वतंत्रता संग्राम तक ही सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने दलित वर्गों की मुक्ति के लिए भी काम किया। श्री राय ने कहा कि जगजीवन राम जी भारत के सबसे सफल सांसदों में से एक थे। 1936 में 28 वर्ष की छोटी उम्र में बिहार विधान परिषद के लिए चुने जाने के बाद, उन्हें 40 से अधिक वर्षों तक केंद्रीय विधानमंडल और उसके बाद संसद के सदस्य के रूप में सेवा करने का गौरव प्राप्त है।ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन एक आदर्श है हम सब के लिए। आज हम सब प्रण करते हैं कि सामाजिक न्याय की जिस लड़ाई को बाबू जी ने अपने जीवन में जिया , हम सब उसी रास्ते पर चल कर उनके सपनो को सच करेंगे। स्व0 बाबू जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से नव निर्वाचित सांसद राकेश राठौर, पूर्व मंत्री डॉ0 मसूद, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, संगठन महासचिव अनिल यादव, अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के चेयरमैन शाहनवाज आलम, मो0 शमीम खान, राजेश सिंह काली, प्रदेश प्रवक्ता डॉ0 अलीमुल्लाह खान, सचिन रावत, डॉ0 सुधा मिश्रा, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ0 शहजादा आलम, संजय दीक्षित, सुशीला शर्मा, अनीस अख्तर मोदी, अख्तर मलिक, सीमा चौधरी, चन्द्र प्रकाश, नितान्त सिंह नितिन सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हाथरस हादसे' में अपनी नाकामी छुपाने के लिए, छोटी-मोटी गिरफ्तारियाँ दिखाकर सैकड़ों लोगों की मौत से अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है - अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश शासन–प्रशासन 'हाथरस हादसे' में अपनी नाकामी छुपाने के लिए, छोटी–मोटी गिरफ्तारियाँ दिखाकर सैकड़ों लोगों की मौत से अपनी जिम्मेदारी का पल्ला झाड़ना चाहता है। अगर ऐसा हुआ तो इसका मतलब ये निकलेगा कि इस तरह के आयोजन में हुई शासनिक–प्रशासनिक विफलता से किसी ने कोई सबक नहीं लिया और ऐसी दुर्घटनाएँ भविष्य में भी दोहरायी जाती रहेंगी। अखिलेश यादव ने कहा कि शासन–प्रशासन किसी खघस मंशा से व्यर्थ में ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर रहा है, जो मूल आयोजन स्थल से दूर थे और गिरफ्तारी के बाद उनको ही दोषी ठहराये जाने की तैयारी कर रहा है। ये गिरफ्तारियाँ स्वयं में एक षड्यंत्र हैं। इन गिरफ्तारियों की तुरंत न्यायिक जाँच हो, जिससे उप्र की भाजपा सरकार का खेल जनता के सामने लाया जा सके। श्री यादव ने कहा कि यह निन्दनीय है, अगर भाजपा सरकार ये कहती है कि ऐसे आयोजन से उसका कोई लेना–देना नहीं था, तो फिर भाजपा सरकार को सत्ता में रहने का कोई हक नहीं। इस कार्यक्रम में आये अधिकांश गरीब लोग दुखी, शोषित, पीड़ित, वंचित, दमित थे, इस आधार पर इसका मतलब तो ये भी निकलता है कि ऐसे लोगों से भाजपा सरकार का कोई सरोकार नहीं है। जबकि सबसे पहले सरकार का ध्यान ऐसे लोगों की तरफ ही जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि परम्परागत धार्मिक आयोजनों में सरकार को समुचित व्यवस्था करना चाहिए। जिससे किसी तरह की रुकावट या असुविधा न हो सके।

एलडीए से 9 सहकारी आवास समितियों को दी गयी जमीन की होगी जांच

लखनऊ ।विकास प्राधिकरण द्वारा 9 सहकारी आवास समितियों को दी गयी जमीन की अब जांच होगी। इन समितियों को कब और किन परिस्थितियों में भूमि समायोजित की गयी और फिर इनमें किन–किन लोगों को भूखण्ड आवंटित किये गये। जांच में इसका पूरा ब्योरा खंगाला जाएगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने भूमि समायोजन में फर्जीवाड़े की शिकायत पर मामले की जांच के आदेश दिये हैं। इसके लिए सचिव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गयी है, जो कि एक सप्ताह में पूरे प्रकरण की जांच करके अपनी रिपोर्ट देगी।उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि शिकायत आयी थी कि विभिन्न सहकारी आवास समितियों द्वारा लखनऊ विकास प्राधिकरण से फर्जी लोगों के नाम भूखण्ड आवंटित कराने का खेल किया गया है। इसमें प्रमुख रूप से 9 सहकारी आवास समितियों का जिक्र सामने आया है, जिसके विषय में सघन जांच की आवश्यकता है। लिहाजा इस सम्बंध में प्राधिकरण के सचिव विवेक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच टीम गठित की गयी है। इस टीम में अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह, मुख्य नगर नियोजक के0के0 गौतम व प्रभारी अधिकारी–अर्जन शशिभूषण पाठक को शामिल किया गया है। यह कमेटी उक्त 9 हाउसिंग सोसाइटियों का स्थल निरीक्षण करने के साथ ही पत्रावलियों का परीक्षण करके समायोजन सम्बंधी पूरी कार्यवाही की जांच करेगी। कमेटी को एक सप्ताह के अंदर पूरे प्रकरण की जांच करके विस्तृत रिपोर्ट देनी होगी, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बारिश के दृष्टिगत पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें और प्रभावितों को मदद प्रदान करें

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बारिश के दृष्टिगत सम्बन्धित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर राहत कार्य पर नजर रखें और प्रभावितों को मदद प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित लोगों को अनुमन्य राहत राशि का अविलम्ब वितरण करने के निर्देश देते हुए कहा कि आपदा से हुई जनहानि में प्रत्येक प्रभावित परिवार को 04 लाख रुपये की अनुमन्य राहत राशि अविलम्ब प्रदान की जाए। जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि जल भराव की स्थिति में जल निकासी के लिए प्रभावी प्रबन्ध किए जाएं। नदियों के जल स्तर की सतत् निगरानी की जाए। फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर शासन को आख्या उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा राशि उपलब्ध कराने के लिए अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

उजरियांव आवासीय योजना में 5 समितियों को दी गयी जमीन

उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि उजरियांव आवासीय योजना के अंतर्गत 5 सहकारी आवास समितियों को जमीन समायोजित की गयी। इसमें मानसरोवर सहकारी आवास समिति लि0 को ग्राम–विजयीपुर की 19277.29 वर्गमीटर भूमि, स्वर्गाश्रम सहकारी आवास समिति को ग्राम–उजरियांव की 22764 वर्गमीटर भूमि, फ्रेण्डस सहकारी आवास समिति को ग्राम–जियामऊ की 52847.365 वर्गमीटर भूमि, प्रोगेसिव सहकारी आवास समिति को ग्राम–विजयीपुर व कमता की 61181.47 वर्गमीटर भूमि व अमरपुरी सहकारी गृह निर्माण समिति लि0 को ग्राम–तखवा कठौता व उजरियांव की 4695 वर्गमीटर भूमि समायोजित की गयी।वर्ष 1993 से वर्ष 2017 के बीच किये गये समायोजनउपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि हरदोई रोड कामधेनू नगर प्रसार योजना के अंतर्गत रिवर व्यू सहकारी आवास समिति लि0 को ग्राम–छन्दोईया की 27730.20 वर्गमीटर भूमि दी गयी। टिम्बर नगर आवासीय योजना के तहत मेसर्स लखनऊ विकास सहकारी आवास समिति लि0 को ग्राम–पुरनिया की 10908 वर्गमीटर जमीन समायोजित की गयी। इसके अलावा अमर शहीद पथ गोमती नगर विस्तार योजना के अंतर्गत दि हिमालयन सहकारी आवास समिति को ग्राम–मकदूमपुर की 10805 वर्गमीटर भूमि एवं बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति को 56307 वर्गमीटर जमीन समायोजित की गयी। उपाध्यक्ष ने बताया कि यह सभी समायोजन वर्ष 1993 से लेकर वर्ष 2017 के बीच किये गये हैं। उक्त सभी प्रकरणों में जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

सीटीईटी परीक्षा के लिए रेलवे संचालित करेगा ट्रेनें

प्रयागराज (आरएनएस)। रेल प्रशासन द्वारा 7 जुलाई को आयोजित होने वाली सीटीईटी परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिये ट्रेनों को संचालित करने की व्यवस्था की गई है। रेलवे के मुताबिक गाड़ी संख्या 04064 गाजियाबाद–पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन अनारक्षित विशेष 6 जून को गाजियाबाद से 1800 बजे चलेगी। अलीगढ़, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, फतेहपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर स्टेशन पर 2 मिनट का ठहराव होगा। ट्रेन में सामान्यध्स्लीपर के 18 एवं एसएलआर के 2 कोच होंगे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04066 गाजियाबाद–पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन अनारक्षित विशेष गाड़ी 7 जुलाई को गाजियाबाद से 1630 पर चलेगी। ट्रेन का अलीगढ़, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिर्जापुर स्टेशन पर 2 मिनट का ठहराव होगा। ट्रेन में सामान्यध्स्लीपर के 18 एवं एसएलआर के 2 कोच होंगे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04048 गाजियाबाद–पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन अनारक्षित विशेष गाड़ी, 7 जुलाई को गाजियाबाद से 2030 पर चलेगी तथा अलीगढ़, इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिर्जापुर स्टेशन पर 2 मिनट का ठहराव होगा। इस ट्रेन में भी सामान्यध्स्लीपर के 18 एवं एसएलआर के 2 कोच होंगे।
जिन ट्रेनों को गाड़ियों की रीशेड्यूलिंग करके संचालित किया जायेगा उसमें गाड़ी संख्या 04342 कानपुर सेंट्रल–बालामऊ प्रस्थान एवं आगमन 14रू50 17रू15 बजे, गाड़ी संख्या 04154 कानपुर सेंट्रल–रायबरेली 16रू30 17रू45 बजे के अलावा गाड़ी संख्या 04133 कानपुर सेंट्रल–फर्रूखाबाद 15रू25 17रू30 बजे कानपुर अनवरगंज से चलेगी। इसी प्रकार 19812 इटावा–कोटा 17रू00 18रू00, 04144 कानपुर सेंट्रल–खजुराहो पर आगमन–प्रस्थान 16रू20 17रू20 बजे।
जिन गाड़ियों का विस्तार किया जायेगा उसमें गाड़ी संख्या 04130 कानपुर सेंट्रल–फतेहपुर मेमू कानपुर सेंट्रल–18रू25 प्रस्थान, फतेहपुर–20.45 आगमन सूबेदारगंज तक संचालित की जायेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04160 इटावा–कानपुर सेंट्रल मेमू इटावा–17रू20 प्रस्थान, कानपुर सेंट्रल–20रू15 आगमन लखनऊ तक आवश्यकतानुसार संचालित की जायेगी। जिन गाड़ियों का रीस्टोरेशन किया जायेगा उसमें गाड़ी संख्या 03333ध03334 पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन–प्रयागराज छिवकी सूबेदारगंज तक आएगी। यह ट्रेन अभी प्रयागराज स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 04 एवं 05 के बंद होने के कारण प्रयागराज छिवकी तक ही आती है।

झूठी शानो शौकत में चढ़ा अहंकार का नशा

आस्था समिति द्वारा नाटक नशा की मंच प्रस्तुति

प्रयागराज (आरएनएस)। आदमी कमजोरियों का पुतला होता है, जो अपनी स्वभावगत कमजोरियों के कारण ही किसी नशे का शिकार होता है। ऐसा नशा भाव अथवा स्वभाव के नष्ट हो जाने के बाद ही उतरता है। कला थियेटर मुट्ठीगंज प्रयागराज में ष्आस्थाष समिति द्वारा मुंशी प्रेमचंद कृत नाटक ष्नशाष की मंच प्रस्तुति में देखने को मिला।
नाटक की कथावस्तु के अनुसार बीर और ईश्वरी दो घनिष्ठ मित्र हैं। ईश्वरी जमीदार का बेटा है। उसमें जमीदारी वाले सारे तेवर मौजूद हैं। जबकि बीर गरीब परिवार का है। बीर हमेशा जमीदारों की आलोचना करता है। वह उन्हें भ्रष्टाचारी, अत्याचारी और समाज का शोषण करने वाला कहता। ईश्वरी का मिजाज जमीदारी वाला जरूर था लेकिन अपने मित्र द्वारा की गई आलोचना पर वह कभी क्रोधित नहीं होता था। एक बार अपने मित्र बीर को अपने गांव ले जाता है। गांव वालों से बीर का परिचय ऐसे धनवान के रूप में करवाता है जो कि महात्मा गांधी का भक्त होने के कारण धनवान होते हुए भी निर्धन जैसा जीवन व्यतीत करता है। इस परिचय से लोग उसे गांधी जी वाले कुंअर साहब कहने लगे। इस झूठे परिचय से बीर पर अमीरी का ऐसा नशा चढ़ा कि वह इंसानियत को ही भूल गया। पहले जिन बातों के लिए वह जमीदारों की निंदा किया करता था वही काम वह खुद करने लगा। उसके इस बदले हुए व्यवहार से ईश्वरी भी चिंतित रहने लगा। एक दिन तो हद हो गई। ईश्वर के साथ घर लौटते समय ट्रेन खचाखच भरी थी। झूठे कुंअर के नशे में चूर बीर को यह बर्दाश्त नहीं हुआ कि उसकी सीट पर कोई और बैठ जाये या उसके आसपास भी भीड़ इकट्ठा रहे। वह अपने पास बैठे व्यक्ति की पिटाई कर देता है और उसको बहुत बुरा भला कहता है। ईश्वर की सहन शक्ति अब जवाब दे जाती है। वह क्रोधित होकर बीर को फटकारता है। यह सुनते ही बीर पर चढ़ा नकली धनवानी का नशा काफूर हो जाता है और फिर से वही गरीब बीर की आत्मा में लौट आता है।
बीर की भूमिका में आरिश जमील, ईश्वरी की भूमिका में प्रशांत वर्मा, जमीदार की भूमिका में रमेश चंद ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। आकांक्षा देवी, अफसार, उत्कर्ष गुप्ता, कीर्ति चौधरी, अब्दुल्ला ने भी अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। प्रकाश व्यवस्था संदीप यादव, संगीत संयोजन मनोज गुप्ता, रूप सज्जा संजय चौधरी, मंच व्यवस्था अंकित पांडेय, ज्योति यादव की थी।संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से मंचित नाटक की प्रस्तुति परिकल्पना एवं निर्देशन मनोज गुप्ता, धन्यवाद ज्ञापित संस्था के अध्यक्ष बृजराज तिवारी ने किया। मंच संचालन निशा यादव ने किया।

सांसद उज्जवल रमण का जोरदार स्वागत

गांधी जी, नेहरू जी, लोहिया जी और अम्बेडकर जी की मूर्ति पर सांसद ने किया माल्यार्पण

प्रयागराज (आरएनएस)। उज्जवल रमण सिंह ने लोकसभा में सांसद का शपथ ग्रहण करने के बाद प्रथम बार लखनऊ से सड़क मार्ग द्वारा प्रयागराज आगमन पर सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ लोगों ने स्वागत किया। लालगोपालगंज से जगह जगह रोक कर लोगों ने माल्यार्पण किया।सपा प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने बताया कि इंडिया गठबंधन का पूरा स्वरूप जलूस में था जिसमें समाजवादी पार्टी शहर अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद महासचिव रविंद्र यादव तो कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अंसुमन मिश्रा,जिलाध्यक्ष अरूण तिवारी जलूस का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तेलियरगंज मे प्रदेश सचिव सपा रविंदर यादव व महावीर यादव ने स्वागत किया। विश्वविद्यालय मार्ग पर छात्रों ने स्वागत किया। तदुपरांत बालसन चौराहे पर महात्मा गांधी व पंडित जवाहर लाल नेहरू की मूर्ति पर माल्यार्पण करने के उपरांत जलूस आगे सिविल लाइंस की ओर बढ़ा जहाँ डा.राममनोहर लोहिया व हेमवतीनंदन बहुगुणा कि मूर्ति पर माल्यार्पण करने के उपरांत हाईकोर्ट चौराहे पर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर किया फिर जलूस इंदिरा गांधी जी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अशोक नगर कोठी पर जलूस का समापन हुआ। एडो. रेहान अहमद ने संविधान की प्रति भेंट किया तो किसी ने पेड़ तो किसी ने मुकुट पहना कर स्वागत किया। समापन पर इंडिया गठबंधन के सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि जिस मेहनत लगन से आप लोगों ने मुझे इस विषम परिस्थिति में जिस विश्वास से जिताया हैं मैं आप लोगों के विश्वास पर खरा उतरने का भरपूर कोशिश करूंगा।उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दे पर सड़क से लेकर संसद तक आपकी लड़ाई लड़ने को तैयार हूँ।

संपूर्ण समाधान दिवस डीएम–एसपी ने सुनी फरियाद

-निस्तारण में गुणवत्ता एवं पीड़ित को संतुष्ट करने के संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

चित्रकूट (आरएनएस) । डीएम शिवशरणप्पा जीएन व एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार को तहसील सभागार कर्वी में सम्पन्न हुआ।डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जा रहा है उस समस्या के निस्तारण से समस्याग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। ताकि वह व्यक्ति समस्या के निस्तारण से संतुष्ट हो सके। कहा कि शासन से निर्धारित समयसीमा के अंदर समस्याओं का त्वरित निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। तहसील दिवस में शंकर पुत्र छोटकावन निवासी ग्राम चिल्लामाफी ने सौपे गए पत्र में अवगत कराया कि उनके गांव के ही दबंग भूमि में अवैध कब्जा कर बिना खनन विभाग से परमीशन लिये जमीन से लगभग एक हजार ट्राली मिट्टी का खनन कर बेंच दी गयी है। इस पर डीएम ने खनिज अधिकारी को निर्देशित किया कि दोषी के विरुद्ध खान अधिनियम के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराना सुनिश्चित करें। उप जिलाधिकारी कर्वी से कहा कि जमीन से तत्काल कब्जा हटवाया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 177 प्रार्थना पत्र के सापेक्ष 2 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया। 11 प्रार्थना पत्र चकरोड पर अतिक्रमण किये जाने से संबंधित पाये गये। जिस पर संयुक्त टीम बनाकर चकरोड की भूमि को सर्वोच्च प्राथमिकता पर कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा मानिकपुर में 107 में चार मामले, मऊ में 158 में 5 समस्याओं का निस्तारण कराया गया। इस मौके पर सदर एसडीएम सौरभ यादव, सीओ सिटी राजकमल, एसडीएम आलोक सिंह, सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, उप कृषि निदेशक राजकुमार, तहसीलदार कर्वी वाचस्पति सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी इन्द्र नारायण सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी पंकज कुमार मिश्रा, अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, बंदोबस्त अधिकारी मनोहर लाल वर्द्धन, ईओ कर्वी लाल जी यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुभाष चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, अधिशासी अभियंता जल संस्थान डीके सत्संगी सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

राजापुर तहसील में आए 106 में 11 मामले निस्तारित

राजापुर (चित्रकूट)(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी अमृतापाल कौर व उप जिलाधिकारी प्रमोद झा की मौजूदगी में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान 106 फरियादियों की समस्याएं सुनीं गई। मौके पर 11 मामलों का निस्तारण कर शेष समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित को निर्देश दिए गए।संपूर्ण समाधान दिवस में कस्बे के राजकुमार उपाध्याय ने सौपे गए पत्र में बताया कि शिव देवी पत्नी माताबदल व सुधा देवी पत्नी बचऊ ने कूटरचित फर्जी दस्तावेज बनाकर गुडमंडी रोड स्थित मकान व जमीन में अवैध कब्जा करने की साजिश रच रहे हैं। पीड़ित ने न्याय की मांग की हैं। ग्राम पंचायत रुपौली के वेदप्रकाश त्रिपाठी पुत्र परमेश्वरी दयाल ने दिए गए पत्र में बताया कि आर्यावर्त बैंक में पूर्व में खाता खुलवाया था। जिसमे केसीसी का खाता जोड़ दिया गया था।

उपभोक्ता अधिवक्ता बार एसोसिएशन ने सौंपा ऊर्जा मंत्री को ज्ञापन

प्रयागराज (आरएनएस)। आज जिला उपभोक्ता अधिवक्ता बार एसोसिएशन इलाहाबाद के अध्यक्ष एम०ए० अंसारी व बार के पदाधिकारी ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा से मिलकर उनको ज्ञापन सौंपा। जिसमें जिला तथा प्रदेश भर के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं से उनको अवगत कराया।
श्री अंसारी बार अध्यक्ष द्वारा ऊर्जा मंत्री को बताया गया कि दिसम्बर 2022 के बाद से विद्युत व्यवस्था निवारण फोरम प्रयागराज कोर्ट चलना बन्द हो गयी थी जो अब पुनरू शुरु हो गयी है। जिसनें अधीक्षण अभियंता प्रथम द्वारा प्रत्येक मंगलवार को खण्ड रामयाग, खण्ड करैलाबाग, खण्ड कल्याणी देवी तथा खण्ड नैनी की सुनवाई होना निश्चित हुई है। परन्तु बड़े खेद का विषय है कि 2–3 बैटकों के बाद सुनवाई नहीं हो गये है। जिससे खण्डों के उपभोक्ता व्यथित है। वह अपने ऊपर हो रहे शोषण की व्यथा भी नहीं सुना पा रहे है जो कि उपभोक्ता शोषण का प्रबल प्रमाण है।
बार अध्यक्ष ने यह भी बताया कि चेकिंग के नाम पर एवं मीटर की गड़बड़ी के नाम पर उपभोक्ताओं का शोषण तथा स्थानीय स्तर पर तो कंजम्पशन के आधार पर मीटरो की प्रयोगशाला में जांच के नाम पर शोषण तथा स्थानीय स्तर पर किसी प्रयोगशाला का होना तथा सूचना के अधिकार में मांगे गये जवाबों का न देना आदि जारी है।उन्होंने यह भी मांग की कि विद्युत व्यधा निवारण फोरम प्रयागराज में प्रत्येक माह के प्रत्येक कार्य दिवस पर तथा नियामक आयोग तथा राजपक्ष के अनुसार व्यथा निवारण फोरम का सुबह 10 से शाम 5 बजे के रूप में माह के प्रत्येक कार्य दिवस में व्यथा फोरम चलाना सुनिश्चित करें जिससे कि स्थित नुकदमों वर्तगान मुकदमा शिकायतों का निवारण हो सके और जिले और प्रदेश भर के व्यथित बिजली उपभोक्ताओं को न्याय मिल सके। ज्ञापन देने के चौरान बार अध्यक्ष एम ए अंसारी और अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे जिसमें संजय सिंह, साकिब अंसारी, संजय सिंह द्वितीय, योगेन्द्र सिंह चौहान, विजय कुमार, विवेक गर्मा आदि शामिल है।

प्रकृति को बचाने के लिए एक पेड़ जरूर लगाए– नियाजी

प्रयागराज। प्रकृति को बचाने की मुहिम के तहत करेली कब्रिस्तान कला डंडा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां दर्जनों पेड़ लगाए गए। इस दौरान कब्रिस्तान कमेटी के अध्यक्ष व इलाहाबाद मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष असरार नियाजी ने कहा कि प्रकृति को बचाने के लिए एक पेड़ जरूर लगाए। प्रकृति रहेगा तभी जीवन रहेगा।
बता दें कि इस साल जहां भीषण गर्मी ने कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया और तापमान 48 डिग्री से भी ऊपर चला गया।

कुल 127 शिकायतें आयीं, सात का मौके पर निस्तारण

प्रयागराज (आरएनएस)। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल की अध्यक्षता में शनिवार को सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनसमयाओं को सुनते हुए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से सम्बंधित शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि जन–शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत, अवैध कब्जो से सम्बंधित शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है।

घर से कुछ दूर पर युवक की सिर कूंचकर हत्या पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

प्रयागराज (आरएनएस)। नैनी थाना क्षेत्र के गंगोत्रीनगर में में ईंट से सिर कूंचकर एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव घर से कुछ दूर पर सड़क के किनारे मिला। एक दिन पहले ही कुछ लोग उसे बाइक पर बैठाकर ले गए थे। घटना के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने हत्याकांड का खुसासा कर दिया। पुलिस के अनुसार पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर जिले के पहाड़ीपुर विविया निवासी हरिश्चंद्र (26) पुत्र जगदीश कुमार नैनी में किराए पर कमरा लेकर रहता था। साथ में उसकी पत्नी और साला भी रहते थे। शुक्रवार की देर रात कुछ लोग उसे बाइक पर बैठाकर ले गए थे। रात में वह घर नहीं लौटा।
सुबह उसकी लाश घर से कुछ दूर पर सड़क के किनारे पड़ी मिली। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले। सिर और चेहरे को ईंट और पत्थर से कुचला गया था। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पत्नी मंजू का रो–रोकर बुरा हाल है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 07 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com

सी.एम.एस. छात्रों ने वृक्षारोपण कर 'हरी-भरी धरती' का जगाया अलख

लखनऊ, 6 जुलाई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के छात्रों ने 'वन महोत्सव सप्ताह' के अन्तर्गत आज अपने विद्यालय परिसर के आसपास वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण सुरक्षा एवं हरी–भरी धरती का अभूतपूर्व अलख जगाया और जनमानस को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। वृक्षारोपण समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रख्यात पर्यावरणविद् डा. हीरा लाल, आई.ए.एस., विशेष सचिव, सिंचाई, उ.प्र. ने वृक्ष रोपित कर किया। इस अवसर पर अपने संबोध

न में डा. हीरा लाल ने कहा कि युवा पीढ़ी का सामूहिक प्रयास पर्यावरण संवर्धन हेतु जनमानस के विचारों एवं जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन लायेगा। उन्होंने सी.एम.एस. छात्रों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि सी.एम.एस. के छात्र पढ़ाई में तो अव्वल हैं ही, साथ ही सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रमों में भी अग्रणी हैं। इस वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के छात्रों ने जनमानस को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही स्वयं भी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्रों ने खासतौर पर फल देने वाले व छाया देने वाले वृक्षो को रोपित किया। सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्रीमती निशा पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि सी.एम.एस. छात्र पर्यावरण के प्रति बेहद जागरूक हैं एवं पर्यावरण, स्वच्छता, जल संरक्षण, उर्जा संरक्षण इत्यादि में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। 'वन महोत्सव सप्ताह' के अन्तर्गत सी.एम.एस. के सभी 21 कैम्पसों में वृक्षारोपण समेत विभिन्न कार्यक्रम लगातार आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज गोमती नगर विस्तार स्थित सी.एम.एस. शालीमार वनवर्ल्ड कैम्पस में भी प्रधानाचार्या सुश्री प्रियंका अग्रवाल की अगुवाई में वृक्षारोपण अभियान आयोजित हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने बड़े उत्साह से पौधे रोपे, उनकी निराई–गुड़ाई कर पानी दिया एवं इन पौधों के बड़े होने की कामना की।

सोहावल में आई 185 शिकायतें, चार का हुआ निस्तारण

सोहावल–अयोध्या(आरएनएस)। उप–जिलाधिकारी अशोक कुमार सैनी की मौजूदगी मे आयोजित सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस में बरसात के बावजूद शिकायत कर्ताओं की भीड़ उमड़ी। ज्यादातर शिकायतें जलभराव , नाली, राजस्व और कब्जेदारी को लेकर सामने आयी। इस दौरान कुल 185 शिकायत आयी।जिसमें 4 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही करा दिया गया।मौजूद लोगों में तहसीलदार विनोद चौधरी नायब तहसीलदार स्नेहिल वर्मा,खण्ड विकास अधिकारी राजस्व निरीक्षक आदि शामिल रहे।

अयोध्या में होगा रक्तदान का राष्ट्रीय महोत्सव

अयोध्या(आरएनएस)। प्रभु राम की जन्मभूमि अयोध्या में आगामी 21 सितम्बर से दो दिवसीय राष्ट्रीय रक्तदान महोत्सव का आयोजन किया जायेगा स यह आयोजन राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में किया जायेगा,जिसमें देश के सभी राज्यों और उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के रक्तदाता रक्तदान करेंगे स महोत्सव में रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के 201 रक्तदाताओं को सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। उक्त सम्बन्ध संस्था की बैठक जिले के एक होटल में किया गया द्य बैठक की अध्यक्षता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के पूर्व महाप्रबंधक राम बहल व संचालन उद्यमी प्रतीक कुमार वैश्य ने किया। संस्था अध्यक्ष आकाश गुप्त ने बताया कि समूचे देश के रक्तदाता अयोध्या आकर एक छत के नीचे रक्तदान करेंगे और राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान के लिए ऑन लाइन आवेदन 10 जुलाई तक लिए जायेंगे। इन सम्मानित होने वाले रक्तवीरों का चयन संस्था के चयन समिति के द्वारा किया जायेगा स प्रख्यात समाजसेवी राजेश चौबे की अध्यक्षता में चयन समिति का गठन किया गया जिसमें मुंबई से मिन्हाज सुगरा,बलरामपुर से आलोक अग्रवाल, लखनऊ से राजीव गोयल, सोनभद्र से दिलीप दूबे व अम्बेडकर नगर से सूरज गुप्ता शामिल किया गया है। अन्नपूर्णा रसोई के अध्यक्ष मुन्ना गुप्त ने कहा कि देश में रक्तदान के प्रति जागरूकता को लेकर यह आयोजन किया जा रहा हैं और हर घर में एक रक्तदाता हो यही संस्था का उद्देश्य हैं । बैठक में कई उप समितियों का गठन करके उसकी जिम्मेदारियां वृद्ध आश्रम के अमरेश चंद मिश्र, डॉ मनीष राय, विजय वर्मा, शशि रावत व इंद्र प्रीत सिंह और आशीष कौर को दी गयी हैं।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन बने आमिर

अयोध्या(आरएनएस)। मोहम्मद आमिर उर्फ अमीरू को कांग्रेस संगठन के प्रति आपकी निष्ठा तथा अल्पसंख्यक समाज के लोगों की समस्याओं के निराकरण की दिशा में उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों को देखते हुए उन्हें उत्तर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अन्तर्गत जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग अयोध्या का जिला चेयरमैन मनोनीत किया गया। जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने बताया उनकी यह नियुक्ति अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश चौयरमैन शाहनवाज आलम ने की है। मोहम्मद आमिर को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनने पर जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल पीसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह उग्रसेन मिश्रा रामसागर रावत राम अवध पासी बसंत मिश्रा सुरेंद्र सिंह सैनिक प्रवीण श्रीवास्तव उमेशउपाध्याय कविंद्र साहनी फ्लावर नकवी आदि ने खुशी जाहिर की।

झुनझुनवाला कैम्पस में एनसीसी कैडटों ने किया पौधरोपण

अयोध्या(आरएनएस)। झुनझनुवाला पीजी कालेज में एनसीसी कैडेट कोर के कैडेटस व ले कर्नल एम एस जावेद (कमांडिंग आफीसर) 1 यूपी गर्ल्स एनसीसी के साथ ले तजीन फातिमा प्रभागीय वनाधिकारी प्रणव जैन ने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया । जिसमें आम, कटहल, बेल, नीम, नीबू, शीशम के पौधों का रोपण किया गया कर्नल जावेद ने कैडेटों को वृक्षों को प्रतिदिन देखरेख एवं उनकी सेवा की जिम्मेदारी दी उन्होने कहा कि 3 वर्ष बाद हम कैडेटों को उनका एनसीसी का प्रमाण पत्र जब देगे जब वह अपने पौधे के साथ अपनी सेल्फी भेजेंगे तथा माननीय प्रधानमंत्री जी के सपने को साकार करने हेतु अपनी माँ के नाम से एक पौधे का रोपण करना जिस प्रकार बच्चे का पालन पोषण करके बच्चे को माँ बडा करती है उसी प्रकार से वृक्ष का पालन पोषण करके हमें उसे बडा करना है एनसीसी के कैडेटों ने एव बी एस सी कृषि के छात्रों ने पौधों की सेवा करने की जिम्मेदारी ली।

पुण्यतिथि पर बाबू जगजीवन राम को कांग्रेसियों ने किया याद

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शनिवार को कांग्रेसियों में उप प्रधानमंत्री स्व बाबू जगजीवन राम की 38वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, शहर अध्यक्ष शकील अंसारी समेत दर्जनों कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओ ने जिला कार्यालय के प्रांगण उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि जब भी भारत की आजादी की बात होती है तो देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले क्रांतिकारियों में स्व बाबू जगजीवन राम का भी जिक्र आता है। स्व बाबू जगजीवन राम भारत के संसदीय लोकतंत्र के विकास में अमूल योगदान रहा है और आज कांग्रेस पार्टी उन्हीं के सिद्धांतों पर भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रही है बाबूजी के पास भारत के उपप्रधानमंत्री गृहमंत्री रक्षा मंत्री के महत्वपूर्ण दायित्व थे वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे थे। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस स्व बाबू जगजीवन राम के आदर्शों को अपनाएगी और समाज के हर गरीब तबके की लड़ाई लड़ेगी। इस मौके पर जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी, विजयपाल, पवन मिश्रा कटावा, विनोद पाठक, तेज बहादुर पाठक, सुब्रत सिंह सनी, हौसिला भीम, मोहम्मद हारुन,अपरबल सिंह, कुर्बान, देवेंद्र तिवारी, प्रदीप सिंह, इंद्रकेश शर्मा, लाल सिंह खारा, वरिष्ठ नेता राजेश श्रीवास्तव, शीतला प्रसाद साहू आदि लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका एवं सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर किया पौध रोपण

सुल्तानपुर(आरएनएस)। पर्यावरण को संतुलित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए संयुक्त सेवा समिति, पर्यावरण सेवा समिति तथा गायत्री परिवार तथा नगरपालिका के साथ मिलकर सामाजिक संगठन इंडिया एंटी करप्शन फोर्स ने आज वृक्षारोपण किया। विदित हो कि स्वर्गीय सरदार इंद्रजीत जी की पुण्यतिथि पर संयुक्त सेवा समिति, पर्यावरण सेवा समिति एवं गायत्री परिवार के साथ मिलकर सामाजिक संगठन इंडिया एंटी करप्शन फोर्स ने दरियापुर ओवर ब्रिज से लेकर पयागीपुर चौराहे तक सड़क की दोनों पटरी पर वृक्षारोपण किया। इंडिया एंटी करप्शन फोर्स के महासचिव विपिन मिश्र एडवोकेट, विधिक सलाहकार एवं प्रवक्ता देवेंद्र पाठक एडवोकेट, उपाध्यक्ष राजीव तिवारी तथा सचिव सन्तोष मिश्र ने भी इस वृक्षारोपण कार्यक्रम कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर नीम ,पीपल कदंब तथा सागौन आदि के वृक्ष लगाए गए। साथ ही गायत्री परिवार के अभिभावक डॉक्टर सुधाकर सिंह, अभिषेक सिंह के साथ गायत्री परिवार के अन्य लोग भी इस वृहद कार्यक्रम में मौजूद रहे। डॉ सुधाकर सिंह, विपिन मिश्र एवं देवेंद्र पाठक ने कहा कि वृक्ष लगाने से पर्यावरण स्वच्छ एवं संतुलित रहेगा और इससे ऑक्सीजन की भी पूर्ति होगी जिससे जनजीवन खुशहाल रहेगा। साथ–साथ उन्होंने लोगों से अपील भी किया कि अधिक से अधिक संख्या में लोग वृक्षारोपण करें जिससे पर्यावरण संतुलित बना रहे। इस मौके पर सीताराम दुबे, दिलीप कुमार चौधरी, अरविंद पाण्डेय के साथ अन्य लोग भी मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में पहुँची डाक्टरों की टीम, उपलब्ध करवाई गई जरूरी दवाइयां

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के आदेश पर स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज व जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एस के गोयल के निर्देश पर डॉक्टरों की एक टीम अमहट स्तिथ वृद्धाश्रम पहुँची। जहा डा.राघवेंद्र सोनकर की अगुवाई में पहुँची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वृद्धाश्रम में मौजूद महिला और पुरुष का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सभी के स्वास्थ्य परीक्षण बाद उन्हें आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई। वही आज वृद्धाश्रम पहुँची टीम की अगुवाई कर रहे डा.राघवेन्द्र सोनकर ने बताया कि सभी वृद्ध महिला व पुरूषों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद आवश्कतानुसार पैथोलॉजी से भी जांच करवाई गई। सभी की जांचोपरांत आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध करवाई गई है। बीते डेढ़ वर्षों से लगातार हर महीने 15 दिनों पर इस वृद्धाश्रम में डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर व अगले 15 दिनों पर डॉक्टर एस के श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ जाते है और सभी के स्वास्थ्य परीक्षण बाद उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाते है।आज इस टीम में डॉक्टर राघवेन्द्र सोनकर, स्वास्थ्य टीम से विकास पाण्डेय, सीमा गौतम, पूजा श्रीवास्तव, अखिलेश, हरिराम सहित कई स्वास्थ्य कर्मी शामिल रहे।

कश्मीर से धारा 370 को निरस्त कर भाजपा सरकार ने डा. मुखर्जी को दी है सच्ची श्रद्धांजलि

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्वप्न था कि जम्मू कश्मीर को राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल किया जाए। इसके लिए डॉ मुखर्जी जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे। भाजपा की केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर से सम्बंधित धारा 370 संसद में निरस्त कर राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल किया जो डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी को सच्चे अर्थों में श्रद्धांजलि है। जिससे डॉ मुखर्जी के स्वप्न साकार हुए हैं। यह विचार भाजपा नेताओं ने डॉ मुखर्जी की जयंती पर सिविल लाईन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कहीं। पार्टी कार्यालय में हुई संगोष्ठी में निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी विचारों को आत्मसात करते हुए जम्मू कश्मीर के सर्वांगीण विकास के लिए उनके द्वारा देखे गये स्वप्न को वर्तमान सरकार ने साकार किया है। अखण्ड भारत के लिए डा मुखर्जी द्वारा किये गये त्याग को भी भुलाया नहीं जा सकता है। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने तथा देश की अखण्डता के उनका बलिदान हमेंशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उनका जीवन देश की अखण्डता के प्रति समर्पित रहा। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि डा मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता के सवाल पर कभी समझौता नहीं किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व विधायक रमापति शास्त्री ने कहा कि कश्मीर को राष्ट्र की मूल धारा में सम्मलित करना डा मुखर्जी का स्वप्न था। संसद ने धारा 370 को निरस्त करके उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार व राष्ट्र की एकता के लिए उनके द्वारा किये गये योगदान को भुलाया नहीं जा सकता ।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी जनता के बीच राष्ट्रहित सर्वोपरि का भाव जागृत करने का काम करते है। हम उनके सपनों के भारत का निर्माण करेंगे। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शो व विचारों को आत्मसात करते हुए उनके सपनों को साकार करने में अपनी भूमिका का निर्वाहन करने का संकल्प लेते है। संगोष्ठी को सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू अवधेश पांडे बादल, गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी जायसवाल, वासुदेव मौर्य वासुदेव मौर्य ने भी सम्बोधित किया। मार्ल्यापण करने वालों में प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, शक्ति सिंह, अशोका द्विवेदी, शैलेंद्र कोरी, तिलक राम मौर्या, अभय सिंह, बुद्धि पाल प्रजापति, मुरारी यादव, किशन मौर्य, दिनेश जायसवाल, राजीव शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेड़ को पुत्र की तरह पाले – रोली सिंह

अयोध्या(आरएनएस)। वृक्ष जीवन में बहुत ही उपयोगी हैं। प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए। उक्त विचार जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह ने वन विभाग द्वारा मनाया जा रहे वृक्षारोपण सप्ताह के छठवें दिन विकास खण्ड पूरा बाजार के प्राथमिक विद्यालय भगवाभीट के परिसर में शनिवार को पौधरोपण के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित ने कहा कि वृक्ष से हमारी सांसे चल रही है इसलिए पौधरोपण करना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम को भाजपा के वरिष्ठ नेता शारदा यादव, ग्राम प्रधान रामजन्म यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष नंद कुमार सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेता अंकुर सिंह, वन विभाग के रेंजर अरुण कुमार मौर्य,मंडल महामंत्री ओम प्रकाश यादव, मंडल उपाध्यक्ष संतराम यादव, विजय कुमार रंजन, गया प्रसाद यादव, दीपक कनौजिया, स्वामीनाथ, शोभाराम वर्मा, सहित तमाम ग्रामीण मौजूद थे। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने प्राथमिक विद्यालय के एक–एक कक्ष में जाकर निरीक्षण किया और बच्चों से बातचीत करके शिक्षा की गुणवत्ता को भी परखा।

जिला पंचायत अध्यक्ष सबसे पहले कक्षा चार और पांच में बैठे बच्चों के कक्ष में गई। कक्षा 5 के वंश प्रताप, अंश प्रताप वी कक्षा 4 के गिरीश से सवाल पूछा जिसका जवाब सही मिला। उसके बाद कक्षा तीन में रागिनी, आदेश प्रताप से बात किया छात्रों के उत्तर से संतुष्ट दिखी। लेकिन कुछ बच्चों को ड्रेस में न देखकर बच्चों से पूछा कि ड्रेस क्यों नहीं पहना है। तो छात्रों ने जवाब दिया कि अभी खरीदा नहीं गया है जिस पर जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने प्रधानाध्यापक वीरेंद्र त्रिपाठी को निर्देशित किया कि अभिभावकों की बैठक बुलाकर ड्रेस खरीदने के लिए प्रेरित करें।

घर से मजदूरी करने निकला युवक दस दिन से लापता

सुलतानपुर(आरएनएस) सड़क की मरम्मती करण में लगा मजदूर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग न लगने पर गोसाईगंज थाने में तहरीर दी। जिस पर पुलिस नें करीब दस दिन पूर्व गुमशुदगी दर्ज की,लेकिन सप्ताह भर बाद भी उसका सुराग नहीं लग सका है। इकलौते बेटे के गुम होने के गम में परिजन बदहवास हैं।

मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र के उघड़पुर गांव से जुड़ा है। जहां के रहने वाले दलित रामपाल साइकिल पंचर की दुकान चलाते हैं। बीते 24 जून को उनके इकलौते बेटे विकास कुमार (23) को गांव के बगल का एक ठेकेदार इसी थाना क्षेत्र के वैदहा(सुकरइया) में नहर किनारे बन रही पटरी में मरम्मती कार्य में लेकर गया हुआ था। ठेकेदार के मुताबिक शाम को काम खत्म होने के बाद वह उसके साथ मिश्रौली चौराहे तक आया और वहां से सायकिल लेकर घर को जाने की बात कहकर निकला। इधर शाम होने के बाद परिजन चिंतित होने लगे।रात होने पर खोजबीन शुरु हुई,लेकिन दिन बीतता गया और अब तक उसका सुराग नहीं लग सका है। उधर घटना के दो दिन बाद गुमशुदगी दर्ज करने वाली पुलिस भी अभी तक किसी नतीजे पर पहुंच सकी है। जिसको लेकर ग्रामवासियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि यदि पुलिस ठेकेदार से कड़ाई से पूंछताछ करे तो शायद लापता युवक का सुराग लग जाय। इस संबंध में थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर लापता युवक की तलाश की जा रही है।

जनपद में मोहर्रम की तैयारियाँ जोरों पर

सुलतानपुर(आरएनएस)। जनपद के सभी शिया इलाकों में काले झण्डे और बैनर लगा दिये गये हैं, हर तरफ गमगीन माहौल दिखाई दे रहा है। खास तौर से अमहट गोराबारिक तुराबखानी अलीगढ अलीनगर उँचवा मेड़ईखां का पुरवा हसनपुर मनियारपुर जूडूपुर प्रतापबपुर मनियारी भाईं पीथापुर लौहर दक्षिण ताजखानपुर बहादुरपुर अफलेपुर उसरा शाहपुर लहुरेबंधुआ सरैया सुरौली हयातनगर कोटवा मूँगर बेलहरी सैदपुर चीनीमिल बेलहरी पियारेपुर छतौना चुनहा करौंदिया सजैया माल्हा खैराबाद मनियारी वलीपुर कारीभीट कादीपुर धौरहरा इसौली लोकनाथपुर बाल चन्द पट्टी दोस्तपुर में 7जुलाई को चॉद निकलने के बाद मजलिसो का दौर जारी हो जायेगा जो 19जुलाई तक चलेगा। पहली मोहर्रम 8जुलाई से शुरू हो रहा है जिसमें हुसैनिया नौतामीर अमहट की पहली मजलिस सुबह7बजे मौलाना जाफर अली रिजवी दिल्ली 10 बजे सुबह हुसैनिया मेड़ई खॉ अलीगढ़ में मौलाना नूर मोहम्मद सालसी जलालपुर श्मौलाना अली असगर हैदरी दिल्ली मौलाना असद अली मीर जरैली, मौलाना बबर अली खान तीसरी मजलिस 12बजे दिन हुसैनिया अलीनगर 1बजे दिन में गभड़िया पर मोहम्मद हादी के इमामबाड़े में 2बजे दिन में नजर अली शाह के इमामबाड़े में 3बजे दिन शेख खानी के इमाम बाड़े में 4 बजे हुसैनिया बादल खॉ की मजलिस मौलाना सैयद कमर सुलतान दिल्ली रात 7बजे मेड़ई खॉ के पुरवा के इमामबाड़े में रात 8बजे हुसैनिया बख्शी खा में भी जो मौलाना हुसैनिया अलीगढ में पढ़े गे वही यहाँ भी पढ़ेगे। व मौलाना डाक्टर हसन अख्तर नौगवॉसादात तुराब खानी के बड़े इमामबाड़े में रात8बजे व छोटे इमाम बाड़े में रात10बजे मजलिस होगी दोनो इमामबाड़े में वही मौलाना पढ़ेंगे यह जानकारी हैदर अब्बास खॉ अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिऐशन सुलतानपुर ने दी है ।

यूपीएससी में 105 वी रैंक पाकर प्रशांत ने बढ़ाया मान

सुलतानपुर(आरएनएस)। संघ लोक सेवा आयोग (न्चै) ने अर्द्ध सैनिक बल में असिस्टेंट कमांडेंट पद पर चयन हेतु सीएपीएफ परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इस परीक्षा में कुल 312 अभ्यर्थी अंतिम रूप से चयनित हुए। इस परीक्षा में यूपी के सुल्तानपुर जनपद के मोतिगरपुर अहदा निवासी प्रशांत पाण्डेय को 105 वी रैंक मिली है, प्रशांत के पिता प्रदीप पाण्डेय, बैकिंग फ्रेंचाइजी देने वाली कम्पनी फिया टेक्नोलॉजी में जिला समन्वयक है। प्रशांत के बड़े भाई प्रवीण पाण्डेय दिल्ली एनआईसी में साफ्टवेयर इंजीनियर है। प्रशांत फिलहाल सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे हैं, पिछली बार साक्षात्कार तक आने के बाद चयन नहीं हो सका था प्रशांत की सफलता से परिवार और गांववासी खुश हैं।

निर्धारित समय सीमा में शिकायतों को करें निस्तारित – नितीश कुमार

-डीएम की अध्यक्षता में सदर तहसील में में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

अयोध्या(आरएनएस)। जन समस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने एवं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं, शासकीय सुविधाओं की डिलवरी, विभिन्न कार्यालयों के स्थान पर यथासंभव एक ही स्थान पर सुगमता से उपलब्ध कराये जाने तथा जन सामान्य एवं अधिकारियों के मध्य सीधा जन–संवाद स्थापित करने के दृष्टिगत जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में आज तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी ने एक–एक कर फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना व यथासंभव उनका मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष समस्याओं को सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया। जन समस्याओं की सुनवाई के दौरान रवीचन्द्र पुत्र राम सुभावन अवतार नगर कालोनी रानोपाली में विकास प्राधिकरण द्वारा बनायी जा रही सड़क की शिकायत पर जिलाधिकारी ने वी0सी0, ए0डी0ए0 को प्रकरण में परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। एक अन्य प्रकरण राम जियावन पुत्र शिवनरायन, ग्राम देवापुर अमानीगंज में जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को प्रकरण में परीक्षण कराकर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा पैमाइश आदि से सम्बंधित विभिन्न शिकायतों का समस्त लेखपाल, कानूनगो, नायब तहसीलदार तथा तहसीलदार व उप जिलाधिकारी को गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित करने के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उप जिलाधिकारी व तहसीलदार को कोर्ट पर लम्बित पैमाइश सम्बंधी समस्त वादों का प्राथमिकता पर तेजी से निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित संबंधित अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लास्ट हुये कोल्ड स्टोर से किसानों की जमा पूंजी भी डूबने का बढ़ा खतरा

-स्टोर में नष्ट हुई आलू की भरपाई में स्टोर मालिक ने 300 बोरी का रेट खोला

सोहावल–अयोध्या (आरएनएस)। क्षेत्र में पखवारा भर पहले गैस रिसाव से ब्लास्ट हुए नूर कोल्ड स्टोर जगनपुर में जमा आलू किसानों की जमा पूंजी भी लौटने वाली नहीं है। स्टोर में नष्ट हुई आलू की भरपाई में स्टोर मालिक ने 300 रु बोरी का रेट खोला है। बीमा कंपनी प्रति बोरी 250 रु से ज्यादा देने को तैयार नहीं है। अपनी उपज को लेकर परेशान किसानों की हालत इतनी पतली नजर आ रही है कि कुछ ने स्टोर से औने पौने ही बेचने का फैसला कर लिया है। गत 19 जून को धराशायी हुए इस स्टोर में 60 हजार बोरी से ज्यादा आलू हजारों किसानों ने जमा कराई थी। स्टोर गिरने से सैकड़ो किसानों की लगभग 8 से 10 हजार बोरी आलू बिखर कर गर्मी और पानी से सड़ गई। इसे स्टोर संचालकों को सड़क किनारे फेंकना पड़ा है। जहां से अब दुर्गंध आ रही है। अपनी आलू को लेकर चिंतित किसानों की सुनने वाला अब तक कोई सामने नही आया। मजबूर कुछ किसानों में अब तक लगभग 30 प्रतिशत से ज्यादा ने स्टोर से ही औने पौने बेंच कर अपनी जमा पूंजी निकाल ली है। स्टोर प्रबंधक फरीद अहमद ने बताया 12000 बोरी आलू दूसरे दिन ही अन्य स्टोर में जमा करा दी गई है। जिन किसानों की आलू नष्ट हुई है।

मानव जीवन में वृक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण – विद्या सागर

अयोध्या(आरएनएस) । वृक्ष मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । अतः प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में अधिक से अधिक वृक्षों को रोपित करना चाहिए। उक्त विचार हैरिंगटनगंज स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पाराताजपुर में आयोजित शिक्षक अभिभावक गोष्ठी में एक वृक्ष मां के नाम पौधरोपण के उपरांत ग्राम वासियों ने व्यक्त किए। उक्त गोष्ठी में प्रधानाध्यापक विद्यासागर ने अध्यक्ष के साथ सभी अभिभावकों का स्वागत किया ।

इॅ ऋंर्क ‘ ९

यह बड़ी चूक है

उत्तर प्रदेश में हाथरस के सिकन्द्राराऊ के पुलराई गांव में आयोजित सत्संग में मची भगदड़ से 125 लोगों की मौत हो गई।अनेक लोग घायलावस्था में अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। पुलिस के अनुसार मरने वालों की संख्या 116 बताई जा रही है। कथावाचक नारायण साकार हरिनाम जिसे विश्व हरि भी कहा जाता है, का यह सत्संग था जो एटा से अलग हुए कासगंज के पटियाली के बहादुरपुर गांव का मूल निवासी बताया जाता है। इसका असली नाम सूरजपाल जाटव है। उप्र पुलिस में कान्सटेबल जाटव छेड़खानी के मामले में निलंबित कर दिया गया था, बाद में बर्खास्त हो गया।अदालत द्वारा नौकरी बहाल किए जाने के बाद जाटव ने दावा किया कि परमात्मा से उनका सीधा संवाद होता है। इसके बाद तो उनके साथ—साथ धर्मभीरु जनता जुड़ती चली गई और बड़े—बड़े आयोजन होने लगे, जिनमें हजारों की संख्या में गरीब और वंचित शामिल होते हैं। कुचल कर मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। तीन साल पहले इसी बाबा के इटावा के नुमाइश मैदान में हुए सत्संग के दौरान भी अफरातफरी हुई थी। बेशकीमती चश्मा और सफेद कपड़े पहनने वाले बाबा के वर्दीधारी स्वयंसेवकों की लंबी—चौड़ी फौज बताई जा रही है। कार्यक्रम के लिए प्रशासन से केवल कुछ लोगों के शामिल होने की अनुमति थी। आयोजन स्थल के भीतर की व्यवस्था का जिम्मा स्वयंसेवकों का होता है। यह भीषण त्रासदी पुलिस—प्रशासन के गैर—जिम्मेदाराना रवैये का सबब कही जाएगी क्योंकि गांव की तरफ आ रही भारी भीड़ की अनदेखी की गई। चश्मदीदों के अनुसार भक्तों में बाबा के चरण छूने की मची होड़ का नतीजा थी यह भगदड़। बाबा फरार बताया जा रहा है और उसकी लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। सत्संग के व्यवस्थापकों का कोई अता—पता नहीं है। इस तरह के आयोजनों, मेलों और विशाल कार्यक्रमों के प्रति मुस्तैदी क्यों नहीं बरती जाती। साल में कई दफा भीड़ के भगदड़ में कुचल कर मारे जाने के बावजूद सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली प्रतीत होती है। मात्र संवेदनाएं व्यक्त करने से मृतकों के परिवार संतुष्ट नहीं हो सकते। यह बड़ी चूक है। श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए भी ऐसी चाक—चौबंद व्यवस्था की जानी जरूरी है, जिससे इस तरह के हादसों से वे सुरक्षित रहें। भले ही इस पर पड़ने वाले आर्थिक भार की वसूली व्यवस्थापकों से की जाए परंतु जनता के प्रति जिम्मेदाराना रवैया निभाने से मुकरना कतई उचित नहीं है।

भारतीय पुरुषों का ही दबदबा नहीं महिलाएं भी कदमताल

ऐतिहासिक घटनाओं के लिहाज से 30 जून बेहद महत्त्वपूर्ण तारीख है। दुनिया में खेल के माध्यम से सद्भाव कायम करने वाली सबसे बड़ी संस्था अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना इसी दिन हुई थी। बात भारतीय खेल जगत के नजरिए से करें तो यह तारीख और भी अहम हो जाती है। बीती 30 जून को भारतीय क्रिकेट इतिहास में दो बड़ी घटनाएं हुई। एक तरफ टी 20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर भारतीय पुरु ष टीम ने 13 वर्ष का खिताबी सूखा समाप्त किया तो वहीं दूसरी तरफ, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट में दस विकेट से हरा दिया।

तर्क दिया जा सकता है कि दोनों मुकाबले का स्तर अलग था, लेकिन खिलाड़ियों का जज्बे और जुनून में कोई फर्क नहीं था। पुरु ष टीम की जीत से भारत को विश्व कप मिला तो महिला टीम की जीत ने बता दिया कि क्रिकेट के मैदान पर सिर्फ भारतीय पुरु षों का ही दबदबा नहीं है, महिलाएं भी उनसे कदमताल कर रही हैं। महिला टीम की बड़ी जीत से कई संदेश निकले जो क्रिकेट में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश करते हैं। पिछली बार नवम्बर, 2014 में भारतीय टीम ने जब दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू मैदान पर टेस्ट खेला था, तब मिताली राज कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर भी इस टेस्ट का हिस्सा थीं। यह मैच तो भारत ने जीत लिया था लेकिन तब किसी को इल्म नहीं था कि 17 रन बनाने वाली हरमनप्रीत की कप्तानी में एक दिन अफ्रीकी टीम को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। यह भी तथ्य है कि तब महिला टीम को लेकर भविष्य की तस्वीर धुंधली नजर आती थी। लेकिन बीते एक दशक के दौरान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत ने एकतरफा दबदबा बना कर रखा था। इसकी शुरु आत शेफाली के धमाकेदार दोहरे शतक और मंधाना के शतक से हुई। इसके बाद गेंदबाजों ने अफ्रीकी खिलाड़ियों पर शिंकजा कसा। खासकर स्नेह राणा के 10 विकेट ने मैच ही पलट दिया। टी 20 विश्व कप के शोर में भले ही इस मैच को दर्शक कम मिले लेकिन महिला क्रिकेटरों का जुनून देखते ही बन रहा था। इससे पहले महिला टीम ने अफ्रीका को वनडे सीरीज में भी 3—0 से मात दी। किसी भी टीम को आगे ले जाने में कप्तान की बड़ी भूमिका होती है। हरमनप्रीत ने उस भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, पूजा वस्त्रकार, स्नेह राणा जैसी शानदार खिलाड़ियों को तैयार किया। आज यही खिलाड़ी भारत का भविष्य लिख रही हैं। इन सभी खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम को विजय रथ पर सवार करने के लिए हरमनप्रीत की जितनी भी तारीफ हो कम ही होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम लगातार बेहतर होती जा रही है। कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट मैच खेला था। इसमें भी टीम ने जीत हासिल की थी और उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी मात दी थी। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई टेस्ट जीतने के साथ हरमनप्रीत कौर महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली कप्तान बन गई हैं, जिनके नेतृत्व में टीम ने लगातार तीन मुकाबलों को अपने नाम किया है। हरमनप्रीत ने भारतीय महिला टीम की दिग्गज पूर्व खिलाड़ी मिताली राज के कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को भी बराबर कर लिया है। कौर के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जहां तीन मुकाबले खेलते हुए सभी में जीत हासिल की है तो मिताली राज के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने आठ टेस्ट मैच खेले थे जिनमें से तीन में जीत हासिल हुई थी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये उपलब्धियां रिकॉर्ड बनाने से इतर हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण की अलख जगा रही हैं। भारत जैसे देश, जहां महिलाओं की स्थिति में बड़े बदलाव की जरूरत है, ये उपलब्धियां हमारी पारंपरिक संस्कृति में घर कर गई विसंगतियां दूर करने में भी मददगार साबित हो रही हैं। लैंगिक समानता के सपने को साकार करने में मदद कर रही हैं। आम तौर पर पैसे की कमी से जूझने के कारण खेल महसंघ महिला खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मुहैया नहीं करा पाते। महिला खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत नहीं कर पाते। अपनी मजबूत अवसंरचना के कारण क्रिकेट कम से कम इन सभी कमियों को पूरी कर रही है। वे लड़कियों को जमीनी स्तर पर सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। इससे महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी बढ़ रही है, और उन्हें समाज की रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने में मदद मिल रही है। महिला क्रिकेट की लगातार उपलब्धियों ने लैंगिक असमानता पर नई बहस छेड़ दी है।

माना जा रहा है कि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता

कठिन आर्थिक दौर से ब्रिटेन को बाहर निकालने का श्रेय रिषि सुनक को ही जायेगा

इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। ब्रिटेन की जनता ने इस बार के आम चुनाव में सत्ता पलट दी है। महंगाई की सर्वाधिक मार झेलने वाली ब्रिटेन की जनता ने कंजरवेटिव पार्टी को चुनावों में कड़ा सबक सिखाया है जिसके चलते प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को माफी मांगते हुए यह कहना पड़ा है कि मैंने आपके गुस्से और निराशा को महसूस किया है और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। वैसे चुनाव के नतीजे जो भी रहे हों लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि ऋषि सुनक ने अपने देश को कठिन आर्थिक परिस्थितियों के दौर से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद जब लिज ट्रस ने ब्रिटेन की कमान संभाली थी तो तुरंत ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बिगड़ी सेहत का अंदाजा हो गया था और उन्होंने महज 45 दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री पद छोड़ दिया था। उस समय ऋषि सुनक ही अंतिम तारणहार दिखाई पड़ रहे थे। देखा जाये तो ऋषि सुनक ने उस समय प्रधानमंत्री के रूप में कांटों का ताज पहना था क्योंकि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था महामारी के बाद हिचकोले खा रही थी। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ रही थीं। यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा पर होने वाले खर्च को बढ़ा दिया था। मुद्रा बाजार में स्टर्लिंग (ब्रिटेन में प्रचलित मुद्रा) कमजोर दिख रही थी। एक सफल बैंकर और वित्त मंत्री रहे सुनक ने प्रधानमंत्री बनते ही बजट घाटे को काबू में किया, सरकार के खर्चों में कटौती की और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लेकर आये लेकिन वैश्विक संघर्षों के चलते बाधित हुई सप्लाई चेन की वजह से बढ़ती महंगाई को वह नहीं रोक पाये। इसके अलावा चूंकि उनकी पार्टी पिछले लगभग डेढ़ दशक से सत्ता में थी इसलिए ब्रिटेन में इस बार बदलाव की जोरदार लहर चल रही थी जोकि परिणामों में स्पष्ट नजर आ रही है। वैसे ब्रिटेन के आम चुनावों में बदलाव होने वाला है इसके संकेत पिछले साल हुए उपचुनावों में ही मिल गये थे। ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनने के बाद से ऋषि सुनक की वैश्विक लोकप्रियता में तो इजाफा हुआ था लेकिन ब्रिटेन में पिछले साल तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में उनकी कंजरवेटिव पार्टी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अब आम चुनावों में कंजरवेटिव पार्टी को अपने इतिहास की सबसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सवाल खड़ा हुआ है कि क्या सुनक की नीतियां जनता को पसंद नहीं आ रही थीं? सवाल यह भी उठा है कि कंजरवेटिव पार्टी को गलत नीतियों की सजा चुनावों में मिली या पार्टी को एकजुट नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है? सवाल यह भी है कि क्यों कंजरवेटिव पार्टी के नेता और सांसद ही अक्सर विवादों में रह कर सुनक की मुश्किलें बढ़ा रहे थे?इसके अलावा, 14 वर्षों से ब्रिटेन की सत्ता में रही कंजर्वेटिव पार्टी की हालत चुनावों से पहले ही खस्ता नजर आ रही थी क्योंकि कई लोगों ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था और पार्टी के कई नेता और सलाहकार नई नौकरियों की तलाश में निकल पड़े थे। अब कंजर्वेटिव पार्टी के जो लोग जीत कर आये हैं वह प्रभावी विपक्ष की भूमिका सही से निभा पाएंगे, इसके बारे में विश्लेषकों को संदेह है। माना जा रहा है कि लेबर पार्टी को कुछ वर्षों तक खुली छूट मिली रहेगी।जहां तक चुनाव परिणाम की बात है तो आपको बता दें कि ऋषि सुनक तो चुनाव जीत गये लेकिन उनके मंत्रिमंडल में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस और कई कैबिनेट मंत्री पराजित हो गए। सुनक उत्तरी इंग्लैंड में अपनी रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल करने में सफल रहे हैं। लेकिन रक्षा मंत्री ग्रांट शेप्स, न्याय मंत्री एलेक्स चाक और मिशेल डोनेलन जैसे बड़े नेता चुनाव हार गये। ब्रिटेन के आम चुनाव में लेबर पार्टी के बहुमत से काफी ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करते ही ऋषि सुनक ने हार स्वीकार कर ली और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को बधाई दी। उन्होंने किंग चार्ल्स से मिलकर अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री के रूप में देश को आखिरी बार संबोधित करते हुए कहा, ष्मैंने देश सेवा में अपना सब कुछ लगा दिया है, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा और आपका निर्णय ही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि मैंने आपके गुस्से, आपकी निराशा को समझा है और मैं इस नुकसान की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि सभी कंजर्वेटिव उम्मीदवारों ने अथक परिश्रम किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, मुझे खेद है कि हम आपके प्रयासों के अनुरूप परिणाम नहीं दे सके। वैसे ऋषि सुनक के लिए राहत देने वाली बात यह है कि भारतीय पहचान वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विरासत सुरक्षित रहेगी। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले 44 वर्षीय ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए कई असंभव कार्य किये थे। उस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम पार्टीगेट स्कैंडल में सामने आया था जिससे वह अलोकप्रिय हो गए थे। ऋषि सुनक को अक्टूबर 2022 में दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। तब उन्होंने 210 साल में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री और देश के पहले अश्वेत नेता के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया था। साउथेम्प्टन में जन्मे सुनक के माता—पिता—सेवानिवृत्त डॉक्टर यशवीर और फार्मासिस्ट उषा सुनक भारतीय मूल के हैं जो 1960 के दशक में केन्या से ब्रिटेन पहुंचे थे। उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति तथा शिक्षिका, लेखिका एवं वर्तमान में भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा की सदस्य सुधा मूर्ति की बेटी हैं। सुनक जब स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में छात्र थे तब उनकी मुलाकात अक्षता से हुई थी। सुनक पहली बार 2015 में यॉर्कशायर के रिचमंड से संसद सदस्य चुने गए थे। बहरहाल, ब्रिटेन कभी राजनीतिक स्थिरता के लिए प्रसिद्ध था लेकिन 2016 में यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद से उसकी हालत खस्ता है। पहले कोविड—19 महामारी से उपजी चुनौतियों ने संकट बढ़ाया तो उसके बाद

सार्थक संवाद की दृष्टि से निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी। राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका—टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें शसक्रिय नेता प्रतिपक्षश घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें श्मैन आफ द मैचश घोषित कर दिया। जाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए। लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी

विपक्ष की रणनीति सरकार को झकझोर करना

अवधेश कुमार

18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के दौरान और उसके बाद का दृश्य निश्चित रूप से देश को एक हद तक राहत देने वाला था। आक्रामक मोर्चाबंदी के बाद विपक्ष ने संसद में मत विभाजन की मांग नहीं की। इस कारण ओम बिरला का दूसरी बार लोकसभाध्यक्ष के रूप में निर्वाचन प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। विपक्ष अपने पूर्व के तेवर के अनुरूप यदि के. सुरेश और ओम बिरला के बीच मतदान पर अड़ता तो तस्वीर दूसरी होती। हालांकि संख्या बल के आधार पर ओम बिरला का निर्वाचन निश्चित था, लेकिन विपक्ष भी ताकत दिखाना चाहता था।

वास्तव में 18वीं लोक सभा में शपथ ग्रहण के समय से विपक्ष का तेवर बता रहा है कि वह सरकार को आसानी से काम करने देने की मनरूस्थिति में नहीं है। आईएनडीआईए के सारे सांसद गांधी जी की प्रतिमा के पुराने स्थल से हाथों में संविधान की प्रति लिए जिस तरह नारा लगाते आगे बढ़े वह चिंतित करने वाला दृश्य था। कम से कम सांसदों के शपथ ग्रहण के अवसर को प्रदर्शनों से दूर रखा जा सकता था। सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जिसके लिए विपक्ष को इस तरह विरोध की एकजुटता प्रदर्शित करनी पड़े।

विरोध के लिए आगे पूरा अवसर बना हुआ है। संसद में बजट आना है और भी कई विधेयक आने वाले हैं, उन सब पर विपक्ष अपना तेवर दिखा सकता था, दिखाएगा भी। इसी तरह स्वयं विपक्ष का अपना एजेंडा है जो समय—समय पर संसदीय नियमों का लाभ उठाते हुए प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। 18वीं लोक सभा की शुरूआत में विपक्ष ने अपनी रणनीति के तहत ही आक्रामक चरित्र प्रदर्शित किया है। पहले भर्तृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने का विरोध हुआ। कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि उनकी पार्टी मेहताब को सहयोग नहीं करेगी। उससे भय पैदा हुआ लेकिन सभी कांग्रेसी सांसदों ने अंततरू मेहताब की अध्यक्षता में ही शपथ ग्रहण किया।

इसके पूर्व कभी प्रोटेम स्पीकर को लेकर इस तरह विरोध हुआ हो इसके रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आए हैं। कांग्रेस की मांग थी कि के. सुरेश आठ बार के सांसद हैं। इसलिए उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाना चाहिए। सरकार का कहना था कि के. सुरेश एक बार सांसद नहीं रहे हैं जबकि मेहताब लगातार सात बार सांसद रहे हैं। यह विषय असहमति का है। संविधान में कहीं इसका उल्लेख नहीं है कि प्रोटेम स्पीकर किसे बनाया जाए। उसके बाद से विपक्ष ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह लोक सभा चुनाव के दौरान उठाए गए मुद्दों और अपनाए तेवरों से पीछे हट रहा है। आप ओम बिरला के लोकसभाध्यक्ष बनने के बाद दिए गए विपक्ष के नेताओं के भाषणों को देखिए तो काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, श्हम उम्मीद करते हैं कि आपके नेतृत्व में संविधान की रक्षा होगी। आप विपक्ष को पूरी तरह बोलने का अवसर देंगे जिससे आम जन की आवाज संसद में आ सकेय। उन्होंने पूर्व लोक सभा में सांसदों के निलंबन पर भी कटाक्ष किया।

ठीक इसी तरह सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी लोकसभाध्यक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, श्आप सत्ता पक्ष को तो मौका देते ही हैं, लेकिन अब उम्मीद है कि विपक्ष को भी अवसर देंगेय। फिर उन्होंने भी भविष्य में सांसदों के निलंबन न होने की उम्मीद जताई। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय एवं अन्य नेताओं के भाषण अध्यक्ष को भी दलीय राजनीति में घसीटने और उनको कठघरे में खड़ा करने वाले ही थे। अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद सभी उन्हें धन्यवाद

देते हैं, उनकी प्रशंसा करते हैं, और उनकी अध्यक्षता में संसद के संचालन में सहयोग करने का वादा करते हुए शुभकामना भी देते हैं। विपक्ष के भाषण में ये विषय थे किंतु उनकी धारा बिल्कुल अलग थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र के अभिभाषण को लेकर भी विपक्ष ने सरकार के साथ सहयोग या सहकार वाली भूमिका का संदेश नहीं दिया। आम आदमी पार्टी द्वारा अभिभाषण का बहिष्कार तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे द्वारा समर्थन बताता है कि संसद को लेकर विपक्ष की राजनीति किस दिशा में जाने वाली है। शिवसेना—उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत में कहा कि बहिष्कार बिल्कुल ठीक है? सरकार तानाशाही भरा रवैया अपनाती है और उसमें राष्ट्रपति का भी योगदान है।

राष्ट्रपति को दलीय राजनीति में घसीटना अन्य सभी घटनाक्रम से ज्यादा चिंतित करने वाला है। राष्ट्रपति देश के अभिभावक के तौर पर स्वीकार किए जाते हैं। हमारे देश में राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख हैं पर उन्हें मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार ही भूमिका निभानी पड़ती है। बावजूद विपक्ष राष्ट्रपति पर इस तरह के हमले से बचता रहा है। आपातकाल के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद की भूमिका को छोड़ दें तो अभी तक संजय राउत की तरह राष्ट्रपति की आलोचना करने जैसा वक्तव्य सामने नहीं आया था। फखरु द्दीन अली अहमद के विरु द्ध भी विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिला था क्योंकि सभी जेल में डाल दिए गए थे।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस सहित सभी विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं देखें तो वे सरकार पर पूरी तरह हमलावर हैं। वैसे राष्ट्रपति अभिभाषण द्वारा सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी पूर्व नीतियों पर ही आगे बढ़ने वाली है यानी विपक्ष का कोई दबाव उसे अपने रास्ते से पीछे हटने या मुड़ने के लिए विवश नहीं कर सकता। वह हमले का जवाब प्रति हमले से देगी। वस्तुतरू विपक्ष का आकलन है कि संविधान खत्म करने, आरक्षण खत्म करने और अन्य प्रकार के प्रधानमंत्री मोदी और सरकार विरोधी तेवरों से उन्हें चुनाव में लाभ मिला है। इसे आगे बनाए रखा गया तो वे सरकार को सत्ता से हटाने में सफल होंगे। विपक्ष की रणनीति बिल्कुल साफ है। देश में सरकार के हर समय अस्थिर होने का संदेश देना, इससे लगातार टकराव करते रहना, आरोप लगाते रहना तथा जब भी मौका आए सरकार को झकझोर कर गिराने का प्रयास करना।

कंजर्वेटिव को मात की पटकथा पहले ही तैयार थी

ब्रिटेन के चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार की पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी। यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था संकट से जूझ रही है, तो बढ़ती महंगाई ने भी जीना दूभर किया है। दरअसल, वहां चीजें बदल रही हैं, लेकिन ब्रिटेन इस हकीकत को देखने के लिए तैयार नहीं दिखता। टेन के संसदीय चुनाव में 14 साल बाद लेबर पार्टी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है और कंजर्वेटिव पार्टी की बुरी तरह हार हुई है। ऋषि सुनक ने अपनी हार मान ली है और उन्होंने लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को जीत की बधाई भी दी है। अब कीर स्टार्मर का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय हो गया है। दरअसल, सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी की हार की पटकथा लगभग उसी समय लिखी जा चुकी थी, जब बीते मई में निवर्तमान ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अचानक चुनाव की घोषणा करके पूरे देश को चौंका दिया था। वास्तव में कंजर्वेटिव पार्टी को यकीन नहीं था कि वे शरणार्थियों (खासकर मुसलमानों) की रिकॉर्ड संख्या को आने से रोक पाएंगे। इस चुनाव में कंजर्वेटिव ने कई वादे किए, जिनमें कुछ शरणार्थियों को रवांडा भेजने की बेहद विवादास्पद योजना भी शामिल थी।

दूसरी तरफ, ब्रिटिश जनता कई समस्याओं से जूझ रही थी। जैसे बढ़ती महंगाई ने उनके घर का बजट बिगाड़ दिया। इसके अलावा, उन्हें लगता है कि अनियंत्रित इस्लामी शरणार्थियों की समस्या शब्रिटिश जीवन—शैलीश को बर्बाद कर रही है, कभी दुनिया भर में प्रशंसित शिक्षा प्रणाली बर्बाद हो रही है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा ध्वस्त हो गई है, लोगों को रहने के लिए सस्ता घर नहीं मिल रहा है और युवाओं में बेरोजगारी बढ़ रही है। यहां तक कि प्रवासी भारतीय भी कंजर्वेटिव पार्टी से दूर जा रहे थे, क्योंकि ये समस्याएं उन्हें भी परेशान कर रही हैं।

चुनावी नतीजों को प्रभावित करने वाले इन मुद्दों से निपटने के बजाय निवर्तमान प्रधानमंत्री यूक्रेन युद्ध में रूस को हराने के लिए अमेरिकी रथ में सवार हो गए। करदाताओं का पैसा बेकार के प्रयासों में बर्बाद किया जा रहा है, जबकि यूक्रेन नष्ट हो चुका है।

असल में ब्रिटेन आज यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के अपने आत्मघाती कदम से जूझ रहा है, जिसने वहां की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है। वह हताश होकर अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि बेहतर करना चाहता है, जबकि उसने वैश्विक मामलों में नाटकीय ढंग से अपनी कम हुई भूमिका को स्वीकार नहीं किया है। इन्हीं वजहों से संसदीय चुनावों में लेबर पार्टी ने ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को आराम से हरा दिया।

लेबर पार्टी के उदय के लिए किसी लोकप्रिय नीति की तुलना में शरूढ़िवादी विस्फोटश को ज्यादा जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कई प्रयासों के बाद एक दशक पहले भी ग्रेट ब्रिटेन बड़ी मुश्किल से स्कॉटिश स्वतंत्रता के जनमत संग्रह से बच पाया था। इस तरह का प्रयास फिर से होगा, क्योंकि ब्रिटिश अर्थव्यवस्था गिरती जा रही है। स्कॉटिश लोग फिर से यूरोपीय संघ में शामिल होना चाहते हैं। वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन की प्रतिष्ठा बहुत नीचे गिर चुकी है। लंदन में अब वह बात नहीं रही। मई, 2024 में एक वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारी ने माना कि दुनिया का 40 प्रतिशत अवैध धन लंदन में आता है।

2020 में फिर से डोनाल्ड ट्रंप को हराएंगे... वाइडेन की इन गलतियों पर रिपब्लिकन भी पीट लेंगे अपना माथा

बाइडेन ने कहा कि वह चार साल पहले राष्ट्रपति पद की दौड़ में ट्रम्प को पछाड़ने के बाद 2020 में फिर से हरा देंगे। बाइडेन ने कहा कि मैं इस रेस में हूं और फिर से जीतने जा रहा हूं। मैं आपकी वजह से ही संयुक्त राज्य अमेरिका का मौजूदा राष्ट्रपति हूं। कोई मजाक नहीं, 2020 में आप मेरे लिए भूलने की आदत ने एक बार फिर रिपब्लिकन पार्टी को शर्मिंदगी झेलने पर विवश कर दिया है। बाइडेन ने कहा कि वह चार साल पहले राष्ट्रपति पद की दौड़ में ट्रम्प को पछाड़ने के बाद 2020 में फिर से हरा देंगे। बाइडेन ने कहा कि मैं इस रेस में हूं और फिर से जीतने जा रहा हूं। मैं आपकी वजह से ही संयुक्त राज्य अमेरिका का मौजूदा राष्ट्रपति हूं। कोई मजाक नहीं, 2020 में आप मेरे लिए आए। मैं डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार हूं। बाइडेन ने आगे अपनी भूल में सुधार करते हुए कहा कि ठीक है, मुझे इसे जितना हो सके स्पष्ट रूप से कहने दीजिए, मैं रेस में बना हुआ हूं। मैं डोनाल्ड ट्रम्प को हराऊंगा। मैं उन्हें 2020 में फिर से हराऊंगा, वैसे, हम 2024 में फिर से ऐसा करने जा रहे हैं , । एबीसी न्यूज के साथ एक अलग साक्षात्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके पद छोड़ने का एकमात्र तरीका यह है कि यदि सर्वशक्तिमान भगवान नीचे आते हैं और उन्हें मुकाबले से बाहर होने के लिए राजी कर सकते हैं। बाइडन ने कहा कि राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई अपनी पहली बहस से पहले वह थके हुए और बीमार थे। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन ने साथ ही कहा कि केवल सर्वशक्तिमान ईश्वर ही उन्हें पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं। बाइडन ने दावा किया कि वह दुनिया को चला रहे हैं और राष्ट्रपति बनने के लिए उनसे ज्यादा योग्य कोई नहीं है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का लक्ष्य लिए चुनावी मैदान में उतरे बाइडन ने ट्रंप पर आदतन झूठा होने का आरोप लगाया।

भारतीय मूल की लीसा नंदी होंगी ब्रिटेन की नयी संस्कृति मंत्री

लीसा (44) जनवरी 2020 में लेबर पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में अंतिम तीन दावेदारों में से एक थीं, जहां उनका सामना स्टॉर्मर और एक अन्य उम्मीदवार से था। लीसा तब से स्टॉर्मर की अध्यक्षता में काम कर रही हैं।लंदन। उत्तर–पश्चिम इंग्लैंड के विगन संसदीय क्षेत्र से भारी अंतर के साथ पुनर्निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की लीसा नंदी को शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री नियुक्त किया। चुनावों में लेबर पार्टी की शानदारी जीत के बाद स्टॉर्मर ने तुरंत अपनी शीर्ष टीम की घोषणा करते हुए नयी सरकार के कामकाज की शुरुआत कर दी। लीसा (44) जनवरी 2020 में लेबर पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में अंतिम तीन दावेदारों में से एक थीं, जहां उनका सामना स्टॉर्मर और एक अन्य उम्मीदवार से था। लीसा तब से स्टॉर्मर की अध्यक्षता में काम कर रही हैं। लीसा, ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार में संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभाल रही लूसी फ्रेजर की जगह लेंगी। ब्रिटेन के संसदीय चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।

ब्रिटेन के पीएम बनते ही भारत आएंगे कीर स्टार्मर ? अबकी बार 400 पार पर पीएम मोदी ने फोन लगाकर क्या कह दिया

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, मोदी ने स्टार्मर को भारत की शीघ्र यात्रा के लिए निमंत्रण भी दिया। बयान में कहा गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी और यूके के पीएम कीर स्टार्मर ने भारत और यूके के बीच ऐतिहासिक संबंधों को याद किया और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात की। मोदी ने स्टार्मर को उनकी हालिया चुनाव जीत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नई भूमिका के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, मोदी ने स्टार्मर को भारत की शीघ्र यात्रा के लिए निमंत्रण भी दिया। बयान में कहा गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी और यूके के पीएम कीर स्टार्मर ने भारत और यूके के बीच ऐतिहासिक संबंधों को याद किया और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। पीएमओ के बयान में कहा गया है कि ब्रिटेन के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में भारतीय समुदाय के सकारात्मक योगदान की सराहना करते हुए, वे लोगों के बीच घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देना जारी रखने पर सहमत हुए। मोदी ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट के जरिए स्टार्मर को उनकी जीत पर बधाई दी थी। उन्होंने निवर्तमान प्रधान मंत्री ऋषि सनक को यूके के आपके सराहनीय नेतृत्व और आपके कार्यकाल के दौरान भारत और यूके के बीच संबंधों को गहरा करने में आपके सक्रिय योगदान के लिए धन्यवाद दिया। आपको और आपके परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद 14 साल बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है। ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी पार्टी को हाल ही में संपन्न चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। स्टार्मर की लेबर पार्टी ने गुरुवार के संसदीय चुनावों में शानदार बहुमत हासिल किया, 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 412 सीटें हासिल कीं और 14 साल के कंजर्वेटिव शासन को समाप्त कर दिया।

गाजा पर इजरायल ने दाग दी ताबड़तोड़ मिसाइलें, 48 घंटों में 87 लोग मारे गए

गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में कम से कम 38,098 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 87,705 अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि मरने वालों में पिछले 48 घंटों में कम से कम 87 मौतें शामिल हैं।गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले देखने को मिल रहे हैं। पिछले 48 घंटों में इजरायली हमलों में कम से कम 87 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं गाजा में अलग–अलग इजरायली हवाई हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए, जिनमें एक घर में दो बच्चे और कम से कम एक संयुक्त राष्ट्र कार्यकर्ता शामिल थे, यहां तक घ्घ्घ्कि इजरायल और हमास के बीच रुकी हुई संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू होने के संकेत दे रही है। पिछले 48 घंटों में इजरायली हमलों में कम से कम 87 लोग मारे गए
गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में कम से कम 38,098 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 87,705 अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि मरने वालों में पिछले 48 घंटों में कम से कम 87 मौतें शामिल हैं।नुसीरात में इजरायली बमबारी में दो और पत्रकार मारे गए अल जजीरा संवाददाता ने बताया है कि पत्रकार अमजद जहजौह, उनकी पत्नी पत्रकार वफा अबू दबान और उनके बच्चे की नुसीरात शरणार्थी शिविर में इजरायली बमबारी में मौत हो गई है। पहले हमने बताया था कि इजरायली हमले में दस फिलिस्तीनी मारे गए। जाहजौह और उसकी पत्नी की हत्या के साथ, 7 अक्टूबर को गाजा पर इजरायली युद्ध की शुरुआत के बाद से मारे गए फिलिस्तीनी पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है। शुक्रवार को फिलिस्तीनी पत्रकार सादी मदौख और अहमद सुक्कर की मौत गाजा शहर के दाराज पड़ोस में मदौख परिवार के घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले के बाद हुई थी।

भारतवंशी के हाथों से भले ही सत्ता चली गई, कीर स्टार्मर की सरकार में भी छाए रहेंगे इंडियावाले

लीजा नंदी को विगान में सफलता मिली है। लिबरल डेमोक्रेट्स ने 60 से अधिक सीट हासिल करके सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें भारतीय मूल की मुनीरा विल्सन को ट्विकेनहैम निर्वाचन क्षेत्र से फिर से जीत हासिल हुई है।लेबर पार्टी से कौन कौन ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल, जिन्होंने टोरी के पहली बार उम्मीदवार बने अश्विर संघा को हराया। तनमनजीत सिंह ढेसी ने बर्मिंघम एजबेस्टन और स्लो में लेबर के लिए अपनी सीटें वापस जीतीं। जालंधर की सीमा मल्होत्रा ने रिकॉर्ड पांचवीं बार जीत दर्ज की है।कीथ वाज की बहन वैलेरी वाज ने वॉल्सॉल और ब्लॉक्सविच जीता।लिसा नंदी ने विगान को बरकरार रखा। नवेन्दु मिश्रा ने स्टॉकपोर्ट को बरकरार रखानादिया व्हिटोम ने नॉटिंघम ईस्ट में जीत दर्ज की। लेबर पार्टी के पहली बार के सांसदबग्गी शंकररू डर्बी साउथ सीट जीती। अपने गठन के बाद से ही ये लेबर पार्टी की सीट रही है। यूके में जन्मे और पले–बढ़े, उनके पिता 1950 के दशक में यूके आए और एक फाउंड्री में काम किया। वह रोल्स–रॉयस के लिए काम करता है। वह एक लेबर काउंसलर भी हैं और 18 जून तक डर्बी सिटी काउंसिल के लेबर नेता थे, जब विपक्षी पार्षदों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था।गुरिंदर सिंह जोसनस्मेथविक की सुरक्षित सीट जीत ली। 51 वर्ष की आयु में, उन्हें ष्राजनीतिक सेवा के लिएष 2019 के नए साल के सम्मान में सीबीई नियुक्त किया गया था। वह गुरु नानक गुरुद्वारा, स्मेथविक के ट्रस्टी हुआ करते थे, जहां पिछले साल अवतार सिंह का अंतिम संस्कार हुआ था।हरप्रीत उप्पल क ब्रिटिश सिख ने हडर्सफील्ड जीता और निर्वाचन क्षेत्र की पहली महिला सांसद बनीं। उप्पल का जन्म और पालन–पोषण फारटाउन में हुआ और वह कपड़ा मजदूर लंबर सिंह उप्पल और उनकी पत्नी सतविंदर की बेटी हैं। उनके पिता 1962 में भारत से यूके आए थे। जस अठवाल 60 वर्षीय अठवाल ने लेबर की सुरक्षित सीट इलफोर्ड साउथ जीती। अठवाल का जन्म पंजाब में एक पंजाबी जाट सिख परिवार में हुआ था। जब तक उनका परिवार इलफोर्ड में स्थानांतरित नहीं हो गया, तब तक वे वहीं रहे। उस समय वे सात साल के थे। 33 वर्षीय डॉ. जीवुन संधेर ने कंजरवेटिव से लेबर के लिए लॉफबोरो सीट जीती। उनका जन्म ब्रिटेन में हुआ था और उनका परिवार जालंधर, पंजाब के पास से है। ब्रिटिश सिख, संधेर थिंक टैंक न्यू इकोनॉमिक्स फाउंडेशन में अर्थशास्त्र टीम का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने पहले ट्रेजरी में काम किया था और उससे पहले सोमालीलैंड के वित्त मंत्रालय में अर्थशास्त्री थे, जहाँ उन्होंने उनकी राष्ट्रीय विकास योजना और बजट का सह–लेखन किया था। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यॉर्कशायर में रिचमंड और नॉर्थलेर्टन निर्वाचन क्षेत्र में निर्णायक जीत के साथ ब्रिटिश भारतीयों की जीत का नेतृत्व किया है। यह टोरी नेता के लिए थोड़ी राहत की बात होगी, जिन्होंने लेबर पार्टी की शानदार जीत के दौरान अपनी पार्टी को 200 से अधिक सीटों पर हारते देखा है। गगन महिंद्रा ने कंजर्वेटिव पार्टी के लिए अपनी साउथ वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट पर जीत हासिल की। शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट निर्वाचन क्षेत्र में विजय प्राप्त की। वह यहां से भारतीय मूल के लेबर उम्मीदवार राजेश अग्रवाल के खिलाफ चुनाव मैदान में थीं। मुनीरा विल्सन ने अपना ट्विकेनहैम निर्वाचन क्षेत्र वापस जीत लिया।

भारत और लेबर पार्टी के रिश्ते रहे हैं तनावपूर्ण, कश्मीर को लेकर पारित किया था प्रस्ताव, कीर ने बदला अपनी ही पार्टी का रुख

2019 में जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने सितंबर 2019 में अपने वार्षिक सम्मेलन में कश्मीर की स्थिति पर एक आपातकालीन प्रस्ताव पारित किया था।कीर स्टार्मर के नेतृत्व में ब्रिटेन की लेबर पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत ने भारत के साथ देश के संबंधों में एक नए अध्याय का मार्ग प्रशस्त कर दिया है, जो अतीत में कश्मीर मुद्दे के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। लेबर पार्टी ने अन्य ब्रिटिश राजनीतिक दलों की तुलना में भारत के साथ कथित मानवाधिकार उल्लंघन और कश्मीर मुद्दे जैसे मामलों को अधिक सख्ती से उठाया है। 2019 में जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने सितंबर 2019 में अपने वार्षिक सम्मेलन में कश्मीर की स्थिति पर एक आपातकालीन प्रस्ताव पारित किया था। अगस्त 2019 में जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के भारत सरकार के फैसले के मद्देनजर आए इस प्रस्ताव में कहा गया कि क्षेत्र में मानवीय संकट है और कश्मीरी लोगों को आत्मनिर्णय का अधिकार दिया जाना चाहिए। भारत ने कॉर्बिन के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी के इस कदम को ष्बेखघ्घर और निराधारष करार देते हुए कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। भारतीय मूल के कई लेबर सांसदों और बड़ी संख्या में समुदाय के मतदाताओं वाले अन्य लोगों को भी इस प्रस्ताव पर विरोध का सामना करना पड़ा, जिसे भारत विरोधी के रूप में देखा गया। यहूदी विरोधी भावना पर विवाद के बाद कॉर्बिन को 2020 में लेबर पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और इस्लिंगटन नॉर्थ से जीत हासिल की, जिस निर्वाचन क्षेत्र का वह 1983 से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अब, स्टार्मर, जिन्हें ब्रिटेन के प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है, उनकी पार्टी द्वारा अतीत में की गई गलतियों को ठीक करने की संभावना है। उनके घोषणापत्र में भारत के साथ ष्नई रणनीतिक साझेदारीष को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता शामिल थी। लेबर सहयोगियों और क्षेत्रीय शक्तियों के साथ आधुनिक साझेदारी बनाएगी और मजबूत करेगी। हम भारत के साथ एक नई रणनीतिक साझेदारी की तलाश करेंगे, जिसमें मुक्त व्यापार समझौता, साथ ही सुरक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में सहयोग गहरा करना शामिल है।

गाजा में इजराइल के हमले में बच्चों एवं संसा कर्मी समेत छह लोगों की मौत

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली वार्ताकारों का एक दल हमास के साथ संघर्ष विराम और बंधकों की अदला–बदली के समझौते पर अगले सप्ताह वार्ता फिर से शुरू करेगा। मध्य गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में शुक्रवार को दो बच्चों और संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मी समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। फलस्तीनी अस्तपाल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।दीर अल–बलाह शहर में अल अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाजा में सलाह अल–दीन मार्ग पर मधाजी शरणार्थी शिविर के पास एक इजराइली हमले में तीन वयस्कों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ने संयुक्त राष्ट्र की वर्दी पहन रखी थी। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि नुसेरात शरणार्थी शिविर में हुए हमले में भी एक वयस्क और दो बच्चों की मौत हो गई। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इजराइल अपने हमलों में आम नागरिकों की मौत के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है।उसका कहना है कि इजराइल आम लोगों की आड़ में अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है जबकि हमास ने इन आरोपों से इनकार किया है और इजराइल पर आम लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।इस बीच, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली वार्ताकारों का एक दल हमास के साथ संघर्ष विराम और बंधकों की अदला–बदली

ब्रिटेन में खत्म हुआ रिषि राज, स्टार्मर के पीएम बनने से भारत पर क्या होगा असर ?

ब्रिटेन के आम चुनाव में अपनी पार्टी शानदार जीत दिलाने के बाद 61 वर्षीय लेबर नेता अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ पैलेस पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने अपनी कंजर्वेटिव पार्टी से हार स्वीकार कर ली थी। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद 14 साल बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है। ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी पार्टी को हाल ही में संपन्न चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। चूंकि कीर स्टारमर अब कार्यालय के प्रभारी हैं, इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि ब्रिटेन का नया नेतृत्व भारत–ब्रिटेन संबंधों को कैसे प्रभावित करेगा। ब्रिटेन के आम चुनाव में अपनी पार्टी शानदार जीत दिलाने के बाद 61 वर्षीय लेबर नेता अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ पैलेस पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने अपनी कंजर्वेटिव पार्टी से हार स्वीकार कर ली थी। स्टार्मर के तहत भारत–ब्रिटेन संबंधों के लिए आगे क्या?इस बात को ध्यान में रखते हुए कि अपने पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने 2019 में अपनी वार्षिक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया था कि जब भारत ने अनुच्छेद 370 को हटा दिया तो कश्मीर में मानवीय संकट पैदा हो गया था, दोनों देशों के बीच संबंधों की आगे की राह तय हो सकती है। आश्चर्यों का मिश्रित थैला बनें। अपने प्रस्ताव में लेबर पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर को आत्मनिर्णय का अधिकार दिया जाना चाहिए. हालाँकि, भारत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। तत्कालीन लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने स्पष्ट किया था कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच एक आंतरिक मामला है। हालाँकि, तब तक मामला बिगड़ चुका था।भारत–ब्रिटेन संबंधों पर स्टार्मर के वादें लेबर पार्टी के भड़काऊ बयानों के बाद कीर स्टार्मर ने तब वादा किया था कि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारेंगे। इन सभी अटकलों के बीच, लेबर पार्टी के पूर्व सांसद वीरेंद्र शर्मा ने कुछ आशावाद दिखाया क्योंकि उनका मानना घ्घ्है कि स्टार्मर के शासन में भारत–ब्रिटेन संबंध विकसित होंगे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 07 जुलाई 2024
sheelshukla100@gmail.com

भारत पाकिस्तान मैच का क्रेज बढ़ा, 23 हजार टिकट बिके,

भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, आरपी सिंह, इरफान पठान जैसे खिलाड़ी मौजूद रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की ओर से शाहिद अफरीदी, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक मैच का हिस्सा होंगे। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित वर्ल्ड चौंपियनिप ऑफ लीजेंड्स मैच के लिए सभी 23000 सीटें बिक चुकी हैं। भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर फैंस की दीवानगी हर तरफ देखने को मिलती है। किसी भी खेल में इन देशों की टीमें जब आमने–सामने होती हैं तो मुकाबला काफी दिलचस्प हो जाता है। एक बार फिर फैंस को अपने चहेते खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना का मौका मिलने वाला है। दरअसल, इंग्लैंड में वर्ल्ड चौंपियंस ऑफ लीजेंड्स 2024 खेली जा रही है। जिसमें कुल 6 टीमें हिस्सी ले रही हैं। शनिवार को भारतीय चौंपियन और पाकिस्तान चौंपियन के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला होने जा रहा है। इस मैच में भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, हरभजन सिंह, आरपी सिंह, इरफान पठान जैसे खिलाड़ी मौजूद रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की ओर से शाहिद अफरीदी, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक मैच का हिस्सा होंगे। एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित वर्ल्ड चौंपियनिप ऑफ लीजेंड्स मैच के लिए सभी 23000 सीटें बिक चुकी हैं। डब्ल्यूसीएल की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 3 जुलाई को एजबेस्टन में शुरू हुई वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 18 जुलाई तक चलेगी। इंडिया चौंपियंस के खिलाड़ी सुरेश रैना ने कहा कि, पाकिस्तान के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है और अब आज का मैच कोई अपवाद नहीं है। मैदान पर हमारी टीम जोश से भरी हुई है और अपना बेस्ट देने के लिए तैयार है। हमें उम्मीद है कि हमारे प्रदर्शन से फैंस को गर्व महसूस होगा। पाकिस्तान चौंपियंस टीम के सदस्य यूनिस खान ने कहा कि, हम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत के साथ खेलने के लिए उत्साहित हैं। हमारे ग्रुप ने बहुत तैयारी की है और हमें यकीन है कि हम एक अद्भुत प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारे लिए, ये खेल और हमारे देश दोनों के लिए गर्व और जुनून की बात है, ये सिर्फ एक खेल नहीं है। दोनों टीमें इस प्रकार हैंभारत – युवराज सिंह (कप्तान), हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, सौरभ तिवारी, अनुरीत सिंह, पवन नेगी। पाकिस्तान– शाहिद अफरीदी (कप्तान), शरजील खान, उमर अकमल, यूनिस खान, शोएब मलिक, मिस्बाह उल हक, अब्दुल रज्जाक, वहाब रियाज, सोहेल तनवीर, सोहेल खान, अब्दुल रहमान, आमिर यामीन, तौफीक उमर, शोएब मकसूद, यासिर अराफात, तनवीर अहमद।

धोनी के लिए तेलुगु फैंस की दिवानगी, माही के बर्थडे पर बनाया 100 फीट ऊंचा कट आउट

महेंद्र सिंह धोनी के 43वें जन्मदिन के मौके पर फैंस की दिवानगी देखते ही बन रही है। अपने थला के जन्मदिन के मौके पर तेलुगु फैंस ने माही का 100 फीट कट आउट बनाया है। रांची में 7 जुलाई 1981को जन्में एमएस धोनी की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया भर में है। आईपीएल के समय हर मैदान धोनी के फैंस से भरे होते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के 43वें जन्मदिन के मौके पर फैंस की दिवानगी देखते ही बन रही है। अपने थला के जन्मदिन के मौके पर तेलुगु फैंस ने माही का 100 फीट कट आउट बनाया है। रांची में 7 जुलाई 1981को जन्में एमएस धोनी की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया भर में है। आईपीएल के समय हर मैदान धोनी के फैंस से भरे होते हैं। पहले अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप के अलावा वनडे वर्ल्ड कप और आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी देश के नाम की। इसके बाद आईपीएल में भी धोनी का जलवा आज भी बरकरार है। अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चौंपियन बनाया है। सोशल मीडिया पर महेंद्र सिंह धोनी का ये 100 फीट ऊंचा कट आउट वायरल हो रहा है। दरअसल, माही के तेलुगु फैंस ने कट आउट को बनाया है। सोशल मीडिया पर ये भव्य कट आउट खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इसके अलावा सोशल मीडिया यूजर्स लगातार कमेंट्स कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

माइकल वान को रवि शास्त्री ने दिया करारा जवाब, कहा– खुद तो कप उठाया नहीं, भारत को छोड़कर अपनी टीम संभालो

टी20 वर्ल्ड कप में अपना एकतरफा वर्चस्व कायम करते हुए खिताब जीता। हालांकि, कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो भारत की इस खिताबी जीत को पचा नहीं पा रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान ही इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी माइकल वॉन ने कहा था कि आईसीसी ने ये टूर्नामेंट भारत के हिसाब से शेड्यूल किया ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप में अपना एकतरफा वर्चस्व कायम करते हुए खिताब जीता। हालांकि, कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो भारत की इस खिताबी जीत को पचा नहीं पा रहे हैं। टूर्नामेंट के दौरान ही इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी माइकल वॉन ने कहा था कि आईसीसी ने ये टूर्नामेंट भारत के हिसाब से शेड्यूल किया ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। टूर्नामेंट खत्म होने के बाद अब भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने वॉन को करार जवाब दिया है। शास्त्री का वॉन को जवाबरवि शास्त्री ने टाइम्स नाऊ से बातचीत में माइकल वॉन को सोच समझकर बोलने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि, माइकल वॉन जो चाहे कह सकता है। भारत में किसी को इससे फर्क नहीं पड़ता। उसे इंग्लैंड की टीम को संभालने दो। उसे इंग्लैंड को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में हार पर सलाह देनी चाहिए। भारत को ट्रॉफी उठाने की जरूरत है, मैं जानता हूं कि इंग्लैंड दो बार जीता, लेकिन भारत चार बार जीता है। मुझे नहीं लगता माइकल ने कभी भी कप उठाया है। तो बोलने से दो बार सोचें। वह मेरे साथ हैं, पर उनके लिए यही मेरा जवाब है। माइकल वॉन ने लगाया था आरोपवॉन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था, सच में, ये भारत का टूर्नामेंट है। वह जब चाहें तब खेल सकते हैं। उन्हें पता होता है कि उनका सेमीफाइनल कहां होगा। उन्होंने अपने सारे मैच सुबह खेलें हैं ताकि लोग रात में भारत में टीवी पर उन्हें देख सकें। मैं ये समझता हूं मैं समझता हूं कि क्रिकेट को दुनिया में पैसा एक बड़ी भूमिका निभाता है। मैं बाइलेट्रल सीरीज की बात समझता हूं, लेकिन आप सोचेंगे कि जब आप वर्ल्ड कप में उतरते हैं, तो आईसीसी को हर किसी के साथ थोड़ा ज्यादा निष्पक्ष होना चाहिए। ये सिर्फ भारत के लिए नहीं होना चाहिए क्योंकि वह कुछ पैसे लाते हैं। साथ ही वॉन के बयान पर हरभजन सिंह ने भी करारा जवाब दिया है। भज्जी ने पोस्ट में लिखा, आपको क्या लगता है कि गयाना भारत के लिए एक अच्छा स्थान था? दोनों टीमें एक ही स्थान पर खेली थीं। इंग्लैंड ने टॉस जीता तो उससे फायदा मिला। इंग्लैंड को भारत ने हर जगह मात दी। सच को स्वीकर करो और आगे बढ़ो और अपनी बकवास अपने पास रखो। तर्क की बात करो, बकवास की नहीं।

पीएम मोदी के सामने ओलंपिक 2028 में कोहली–रोहित के खेलने पर राहुल द्रविड़ ने लिए मजे

राहुल द्रविड़ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात के दौरान 2028 ओलंपिक को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा से भी मजे लिए। द्रविड़ ने कहा कि बीसीसीआई इस बड़े इंवेट की तैयारी अभी से ही कर रही होगी और इस टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी उस इवेंट में भारत प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात के दौरान 2028 ओलंपिक को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा से भी मजे लिए। द्रविड़ ने कहा कि बीसीसीआई इस बड़े इंवेट की तैयारी अभी से ही कर रही होगी और इस टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी उस इवेंट में भारत प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा का भी नाम लिया। ऐसे में विराट का रिएक्शन देखने वाला था। दरअसल, कोहली और रोहित दोनों ही टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब जीतने के बाद टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। 4 जुलाई को बारबाडोस से स्वदेश लौटी टीम इंडिया ने दिल्ली में सबसे पहली मुलाकात पीएम मोदी से की। इस दौरान पीएम ने खिलाड़ियों से कई मुद्दों पर चर्चा की। इनमें से एक लॉस एंजिल्स में होने वाला ओलंपिक भी था। पीएम के इस इवेंट की तैयारियों के बारे में जब पूछा तो राहुल द्रविड़ ने ऐसा जवाब दिया कि वहां बैठा हर शख्स हंसने लगा। बता दें कि, राहुल द्रविड़ ने पीएम मोदी से ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किए जाने के महत्व के बारे में बात की। अपनी बातचीत के अंत में द्रविड़ ने कहा कि 2024 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी, जिनमें युवा रोहित और विराट भी शामिल हैं। 2028 ओलंपिक में भाग लेंगे। राहुल द्रविड़ ने अपनी बात रखते हुए कहा कि, हम क्रिकेटर्स को ओलंपिक में भाग लेने का मौका नहीं मिलता। लेकिन, अब क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा बनने जा रहा है। ये क्रिकेटर्स देश और बोर्ड के लिए बहुत बड़ी बात होने जा रही है। हमें टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दूसरे खिलाड़ियों के साथ रहना, उनसे सीखना, बहुत बड़ी बात है। मुझे लगता है कि क्रिकेट के लिए ओलंपिक का हिस्सा बनना गर्व की बात है।

पहले मैच में हार के बाद राधा यादव का बयान, कहा– हमने गेंदबाजी में कुछ गलतियां की

राधा यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 12 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों ने कुछ गलतियां की जिसका टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।। तजमिन ब्रिट्स (81) और मारिजान कैप (57) ने भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी जिससे दक्षिण अफ्रीका चार विकेट पर 189 रन बनाने में सफल रहा। भारतीय स्पिनर राधा यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 12 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों ने कुछ गलतियां की जिसका टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।। तजमिन ब्रिट्स (81) और मारिजान कैप (57) ने भारतीय गेंदबाजों की एक नहीं चलने दी जिससे दक्षिण अफ्रीका चार विकेट पर 189 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में भारतीय टीम चार विकेट पर 177 रन ही बना पाई। राधा ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''यह जानना महत्वपूर्ण था कि इस विकेट पर किस लेंथ और किस गति से गेंदबाजी करनी है। हमने गेंदबाजी इकाई के रूप में कुछ गलतियां की। हमने उन्हें 10 से 15 रन अधिक बनाने दिए। हमें उन्हें यॉर्कर लेंथ पर गेंद करनी चाहिए थी।'' उन्होंने रविवार को होने वाले दूसरे मैच के बारे में कहा,''हमें अपनी रणनीति पर अमल करना होगा और जल्द ही विकेट के व्यवहार को समझना होगा। इससे हमारे लिए काम आसान हो जाएगा।''दक्षिण अफ्रीका को इससे पहले वनडे श्रृंखला और एकमात्र टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था और उसकी स्टार बल्लेबाज तजमिन ब्रिट्स ने कहा कि उनकी टीम को इस जीत की सख्त जरूरत थी जिससे उनका अगले साल बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इन दो चीज का इस्तेमाल कर आप भी घर पर बना सकते हैं शुगर वैक्स

हर लड़की खूबसूरत दिखना चाहती है, लेकिन शरीर पर होने वाले अनचाहे बाल की वजह से वे काफी परेशान रहती हैं. इन अनचाहे बालों को हटाने के लिए उन्हें हर महीने पार्लर जाना पड़ता है. इससे उनका खर्च और ज्यादा बढ़ जाता है. अगर आप भी इस चीज से परेशान हैं, तो ये खबर आपके लिए है.

घर पर करें वैक्स तैयार

आज हम आपको घर पर वैक्स तैयार करने के बारे में बताएंगे. जिसकी मदद से आप अपने पैसों की बचत कर सकती हैं, साथ ही आपका पार्लर जाने और आने का समय भी बचेगा. इस समय में आप आसानी से घर पर रहकर वैक्सिंग कर सकती हैं. आइए जानते हैं आप घर पर वैक्स कैसे तैयार कर सकती हैं.

शुगर वैक्स बनाने का तरीका

घर पर शुगर वैक्स बनाना बेहद आसान होता है, इसे बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक बाउल में तीन से चार चम्मच बाउन शुगर डालना होगा. इसमें एक चम्मच शहद और एक चम्मच पानी को डाल दें, फिर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. अब किसी दूसरे बर्तन में पानी गर्म करके इस बाउल को उस पानी में रख दें और

सारे पेस्ट को पिघल जाने दे.

आपको बाउल को सीधे तौर पर गैस पर नहीं रखता है. अगर आप ऐसा करते हैं, तो सारा पेस्ट जल जाएगा. इसलिए गैस पर रखने से बचे. पानी में रखे हुए इस बाउल का पेस्ट जब पिघल जाए, तो आप इसको किसी कंटेनर में निकाल कर रख लें अब आप इसे हेयर रिमूविंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं.

शुगर वैक्स बनाने का दुसरा तरीका

इसके अलावा आप एक छोटे सॉस पैन में चीनी और पानी डाल दें. इसे मध्यम आंच पर गर्म होने दें, जब चीनी खुल जाए और यह चिपकने लगे, तब गैस बंद कर दें. आप अगर चाहे, तो इसमें नींबू का रस मिला सकते हैं. जब मिश्रण थोड़ा नॉर्मल हो जाए, तो आप इसे फ्रीज में रख दें. ठंडा होने के बाद मिश्रण को एक कांच के जार में डालें. अब आप थोड़ा शुगर वैक्स लेकर अपनी स्किन पर लगाएं और वैक्सिंग स्ट्रिप की मदद से अपने अनचाहे बालों को हटा सकती हैं. वैक्सिंग होने के बाद अपनी त्वचा को ठंडे पानी से धो लें और मॉइश्चराइजर लगा ले. इन दोनों शुगर वैक्स को आप घर पर बना सकते हैं. कुछ लोगों को इन शुगर वैक्स से एलर्जी हो सकती है. इसलिए इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें.

धीरे–धीरे आपको मौत के मुंह में धकेल सकती हैं एनर्जी ड्रिक, जान लें इसके नुकसान नहीं तो होगा पछतावा

आजकल कई लोग इंस्टेंट एनर्जी पाने के लिए एनर्जी ड्रिंक का सेवन करते हैं. कहने को तो ये एनर्जी ड्रिंक्स होते हैं लेकिन हेल्दी समझ कर अगर आप इन्हें पी रहे हैं तो जान लें कि कहीं कोई गलती तो नहीं कर रहे. दरअसल इन एनर्जी ड्रिंक्स में कैफीन की ज्यादा मात्रा पाई जाती है जो हमारी बॉडी को इंस्टेंट एनर्जी तो देती है, लेकिन धीरे–धीरे हमारे शरीर को नुकसान भी पहुंचाती है.

एक्सपर्ट्स पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि एनर्जी ड्रिंक किसी स्लो प्वाइजन से कम नहीं होती है और ये केवल चीनी का घोल होती है. इतना ही नहीं इसमें कार्बोहाइड्रेट, चीनी, फैट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिससे हमारे शरीर को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं. तो चलिए आज हम आपको बताते हैं एनर्जी ड्रिंक पीने के 5 बड़े नुकसान.

एनर्जी ड्रिंक पीने से हो सकती है ये पांच गंभीर समस्याएं

ब्लड प्रेशर को बढ़ाएं

कैफीन की मात्रा ज्यादा होने से एनर्जी ड्रिंक से हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है. इतना ही नहीं एनर्जी ड्रिंक के ज्यादा सेवन से गंभीर हृदय संबंधी समस्याएं जैसे दिल का दौरा और अचानक दिल की धड़कनों का बंद होना और कई मामलों में मौत का खतरा भी बढ़ सकता है.

हाई कैफीन और शुगर की मात्रा पेट दर्द, मतली और दस्त जैसी पाचन समस्याएं पैदा कर सकती हैं. बार–बार इसका सेवन करने से पाचन संबंधी बीमारियों के लक्षण बढ़ सकते हैं और पुरानी पाचन

संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

अनिद्रा

एनर्जी ड्रिंक में कैफीन और अन्य उत्तेजक पदार्थ नींद के पैटर्न को बिगाड़ सकते हैं. क्रोनिक अनिद्रा से थकान, चिड़चिड़ापन और कंसंट्रेशन करने में कठिनाई हो सकती है.पाचन संबंधी समस्याएं

सिरदर्द और माइग्रेन

कैफीन कुछ व्यक्तियों में सिरदर्द या माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है, खासकर लगातार इसका सेवन करने से स्थिति गंभीर हो सकती है. इतना ही नहीं एनर्जी ड्रिंक्स पीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है और आपको इसकी लत भी लग सकती हैं.पोषण की कमी

एनर्जी ड्रिंक्स आपकी भूख को दबा सकती हैं, जिससे आप हेल्दी डाइट कम लेते हैं और शरीर में पोषण की कमी हो सकती है. ये आपके शरीर में मौजूद पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब भी कर सकती हैं. शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी कई तरह की बीमारियों को बुलवा देती है और इस तरह एनर्जी ड्रिंक बीमारियों का कारण बन सकती है.

वीकडे में भी नहीं रुक रहा प्रभास का जलवा, 400 करोड़ का आंकड़ा कर दिया पार

प्रभास की कल्किस 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. वीकेंड ही नहीं वीकडेज में भी फिल्म का कलेक्शन कम होने का नाम नहीं ले रहा है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर फुल रफ्तार पकड़ी हुई है. इसी रफ्तार से चलती रही तो फिल्म को 500 करोड़ के क्लब में शामिल होने में ज्यादा समय नहीं लगने वाला है. ये इस वीकेंड के खत्म होने तक 500 करोड़ भी कमा लेगी. फिल्म का आठवें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है. फिल्म 400 करोड़ का आकंड़ा पार कर चुकी है. तेलुगू ही नहीं हिंदी में भी फिल्म अच्छा कलेक्शन कर रही है.कल्कि 2898 एडी कलेक्शन के मामले में अब हिंदी वर्जन तेलुगू वर्जन पर भारी पड़ रहा है. हिंदी वर्जन को ज्यादा पसंद किया जा रहा है. हिंदी बेल्ट के लोग इस फिल्म को खूब देख रहे हैं. कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन के बारे में आपको बताते हैं.कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन पर सबकी नजर बनी हुई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने आठ दिन में 414.75 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने आठवें दिन 22.3 करोड़ का कलेक्शन किया है,आठवें दिन के कलेक्शन की बात करें तो तेलुगू में 10 करोड़, हिंदी 10.5 करोड़, तमिल 0.9 करोड़, कन्नड़ 0.2 करोड़ और मलयालम में 0.7 करोड़ का कलेक्शन किया है.कल्कि 2898 एडी के आठ दिनों के कलेक्शन की बात करें तो तेलुगू वर्जन 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो गया है. फिल्म ने 212.05 करोड़

का कलेक्शन कर लिया है. वहीं हिंदी वर्जन भी इस क्लब में शामिल होने से ज्यादा दूर नहीं है. हिंदी वर्जन ने 162.8 करोड़ कमा लिए हैं.फिल्म की बात करें तो इसे नाग अश्निन ने डायरेक्ट किया है. फिल्म को मिक्स रिव्यू मिले हैं फिर भी कलेक्शन शानदार कर रही है. प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन लीड रोल में नजर आए हैं. वहीं कई सेलेब्स का कैमियो है. जिन्हें देखकर फैंस काफी इंप्रेस हो गए हैं।

धनुष की फिल्म कुबेरा से रश्मिका मंदाना की पहली झलक आई सामने, टीजर भी जारी

साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कुबेर को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा से उनके करियर को एक नई उड़ान मिली है। अब वो निर्देशक सेखर कम्मूला की अपकमिंग फिल्म कुबेर में धमाल मचाने के लिए तैयार है। अब इस बीच फिल्म कुबेर से रश्मिका मंदाना का पहला लुक वीडियो जारी कर दिया गया है, जो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है।आपको बता दें कि रणबीर कपूर की एनिमल में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने गीतांजली की भूमिका निभाई थी, जिसने फैंस का दिल जीत लिया था। अब इसके बाद वो फिल्म कुबेर में नजर आने वालीं हैं। कुबेर से उनका फर्स्ट लुक वीडियो रिलीज कर दिया गया है, जिसमें वो एक गड्ढे में से पैसों से भरा बैग निकालते दिख रहीं हैं। इसको देख ऐसा बताया जा सकता है कि फिल्म में एक्ट्रेस ने इस खजाने को छुपा रखा है और बाद में वो इसे निकाल रहीं हैं।

अब इस नोटों से भरे बैग का क्या राज है, वो तो कुबेर फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चल सकेगा। इस फर्स्ट लुक वीडियो

को देखने के बाद से एक्ट्रेस के फैंस काफी एक्साइटमेंट नजर आ रहें हैं और इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहें हैं।रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो फिल्म कुबेर में रश्मिका मंदान साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धनुष के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में इन दोनों स्टार्स के अलावा सुपरस्टार नागार्जुन भी अहम किरदार में शामिल हैं।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स फिल्म के नाम से उठा पर्दा, अल्फा में सुपर-एजेंट बन धमाल मचाएंगी आलिया और शरवरी वाघ

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म एक्ट्रेस हैं. उनके साथ इस फिल्म में इंडस्ट्री की उभरती हुई स्टार और वाईआरएफ की होमग्रोन टैलेंट शरवरी भी शामिल होंगी. दोनों स्पाई यूनिवर्स में सुपर–एजेंट की भूमिका निभाएंगी और ये साफ है कि आदित्य चोपड़ा इन्हें अपने स्पाई यूनिवर्स की अल्फा गर्ल्स बनाने के लिए एकदम तैयार हैं.

यशराज फिल्म्स ने फिल्म के टाइटल के साथ पहला वीडियो भी रिवील कर दिया है. इस वीडियो के बैकग्राउंड में आलिया भट्ट की आवाज सुनाई दे रही है. अल्फा का पहला वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया. वाईआरएफ ने ये कदम समाज में उस गलतफहमी को तोड़ने के लिए उठाया है कि केवल पुरुष ही अल्फा हो सकते हैं. फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ देश के दुश्मनों से भिड़ती नजर आएंगी.स्पाई यूनिवर्स मूवी टाइटल अनाउंसमेंट वीडियो में आलिया भट्ट कहती हैं, ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोट्टो.. सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर. ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा.आदित्य चोपड़ा

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म को एक्शन से भरपूर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अल्फा का निर्देशन शिव रावल कर रहे हैं, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर ग्लोबल स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन का भी निर्देशन किया था, जिसे यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी बन गया है. इस स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्में – एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 ब्लॉकबस्टर साबित हुई है. आलिया–शरवरी की अल्फा आदित्य चोपड़ा की अगली बड़ी पेशकश है, जो इस समय वॉर 2 भी बना रहे हैं, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर लीड रोल में हैं. इस फेमस ब्लॉकबस्टर यूनिवर्स की अगली फिल्म पठान 2 होगी, जिसके बाद टाइगर बनाम पठान आएगी.

नंदमुरी कल्याण राम की फिल्म एनकेआर21 से नया पोस्टर जारी, खूंखार अवतार में दिखाई दिए अभिनेता

नंदामुरी कल्याण राम अभिनीत एनकेआर21 के निर्माताओं ने अभिनेता के जन्मदिन पर एक नया पोस्टर जारी करके उन्हें एक खास तोहफा दिया। पोस्टर में कल्याण राम एक खूंखार अवतार में दिखाई दे रहे हैं। अपनी मुत्र्ठी में आग लिए, गुंडों के साथ कुर्सी पर बैठे अभिनेता को एक सख्त नजर से देखते हुए देखा जा सकता है। स्टाइलिश मेकओवर करवाने वाले कल्याण राम यहाँ बेहद हिंसक नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने वहाँ सब कुछ आग लगा दी है। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित, फिल्म एनकेआर21 में नंदामुरी कल्याण राम कुछ साहसी स्टंट करते नजर आएंगे। यह फायर एक्शन एपिसोड फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में से एक होने जा रहा है जहाँ नंदामुरी नायक एक शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगे।

अशोका क्रिएशन्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले अशोक वर्धन मुप्पा और सुनील बालुसु द्वारा निर्मित, यह फिल्म मुप्पा वेंकैया चौधरी द्वारा प्रस्तुत की गई है। विजयशांति ने एक आईपीएस अधिकारी के रूप में एक शक्तिशाली गतिशील चरित्र निभाया है। फिल्म में सोहेल खान, सई मांजरेकर और श्रीकांत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग जारी है। फिल्म में तकनीशियनों की एक शानदार टीम है जो विभिन्न विभागों की देखभाल कर रही है। राम प्रसाद कैमरा संभालते हैं

अक्षय कुमार की सरफिरा का गाना छावत जारी, श्रेया घोषाल ने दी अपनी आवाज

बड़े मियां छोटे मियां के बाद अब अक्षय कुमार फिल्म सरफिरा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे।इस फिल्म में अक्षय की जोड़ी पहली बार राधिका मदान के साथ बनी है। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है।मार उड़ी और खुदाया के बाद अब निर्माताओं ने सरफिरा का तीसरा गाना छावत जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं।अक्षय ने गाना साझा करते हुए लिखा, वीर और रानी– दो सरफिरे, एक शादी और ढेर सारा प्यारा। छावत के साथ खुशियों का जश्न देखें।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है।इस फिल्म में परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं।बता दें, सरफिरा दक्षिण भारतीय फिल्म सोरारई पोटरु की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। सोराराई पोटरु में सुपरस्टार सूर्या लीड रोल में दिखाई दिए थे और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। उम्मीद जताई जा रही है कि अक्षय कुमार स्टारर सिरफिरा को भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राधिका मदान और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। सिरफिरा 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म के साथ साउथ सुपरस्टार कमल हासन की इंडियन 2 भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस की शूटिंग के लिए लगाना पड़ा सरसों का तेल येशा रूघानी

एक्ट्रेस येशा रूघानी ने शो रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस शूटिंग के अपने रोमांचक एक्सपीरियंस को शेयर किया और बताया कि सीन की शूटिंग के बाद हॉट वाटर बैग की जरूरत पड़ती थी।हाल के एपिसोड में, दर्शकों ने मन्नत (सीरत कपूर) और फरहान (आरव मल्होत्रा) को इबादत (येशा) को प्रताड़ित करते हुए देखा, ताकि वह मन्नत की फरहान के साथ भागने के प्लान के बारे में किसी को भी न बता सके। वह इबादत को किडनैप कर लेते हैं। उसे गले में रस्सी बांधकर बर्फ की स्लैब पर लटका दिया जाता है।इस स्पेशल सीक्वेंस की शूटिंग येशा और टीम के लिए एक चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि एक्टर की सुरक्षा को ध्यान में रखना सबकी प्राथमिकता थी।येशा ने कहा, बर्फ की स्लैब पर शूटिंग करना कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। यह मेरे लिए बहुत रोमांचक एक्सपीरियंस था। मेरी टीम ने पूरे समय काफी मेहनत की। जब मैंने शुरुआती कुछ शॉट्स के लिए बर्फ की स्लैब पर कदम रखा, तो मुझे लगा, हे भगवान, मैं जम रही हूं क्योंकि कुछ ही मिनटों में मेरे पैर सुन्न होने लगे थे। उन्होंने कहा, यही नहीं, इस सीन में मेरे हाथ भी बंधे हुए थे, जिसकी वजह से यह और भी ज्यादा मुश्किल हो रहा था। जब आप बर्फ की एक सिल्ली पर खड़े होते हैं, तो आपके शरीर का तापमान बदल जाता है और आपके पैर सुन्न हो जाते हैं। यह देखने के लिए कि इसका असर हमारी सेहत पर न पड़े, हमें सरसों का तेल लगाने के लिए कहा गया, हमने वह भी किया। येशा ने आगे कहा, सीक्वेंस की शूटिंग के बाद, मैं हॉट वॉटर बैग लेकर बैठती थी। हमारे डायरेक्टर राज, यूसुफ सर के साथ हर समय अलर्ट थे, जिन्होंने हर चीज की निगरानी की और सुनिश्चित किया कि हम ठीक हैं। हम इस सीन को पूरा करने में सफल रहे। उम्मीद है कि दर्शकों को यह रोमांचक सीक्वेंस पसंद आएगा।रब से है दुआ हर दिन रात 10.30 बजे जी टीवी पर प्रसारित होता है।

दीपिका पादुकोण ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत में पर्पल साड़ी पहन फ्लान्ट किया बेबी बंप

मां बनने जा रही दीपिका पादुकोण अपने बेहतरीन मैटरनिटी फैशन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। शुक्रवार को वह मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में पहुंचीं, जहां वह एक शानदार साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

मॉम टू बी दीपिका पादुकोण अपने बेहतरीन मैटरनिटी फैशन से सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। शुक्रवार को, वह मुंबई में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (छड।ब्ब) में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में शामिल होने के लिए पहुंचीं, जहां वह एक शानदार साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। दीपिका ने शाम के लिए अपने पहनावे की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। उन्होंने बैंगनी रंग की साड़ी पहनी थी , जिसमें उनका बढ़ता हुआ बेबी बंप दिख रहा था, साथ ही उन्होंने खूबसूरत गोल्डन ज्वेलरी और स्लीक बन हेयरस्टाइल भी बनाया था। उन्होंने अपनी पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्बस...क्योंकि यह शुक्रवार की रात है और घ्घ्घ् पार्टी करना चाहती है!!!जिस पर, रणवीर सिंह ने जवाब दिया, ष्हाय! घ्घ्घ् मेरा खूबसूरत जन्मदिन का तोहफा! आई लव यूघ्घ् दीपिका और उनके पति, रणवीर सिंह ने मार्च में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की , उनके बच्चे के सितंबर में आने की उम्मीद है। 2018 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े को अपने जीवन के इस नए अध्याय का बेसब्री से इंतजार है।ज्योतिषी ने भविष्यवाणी कीप्रसिद्ध सेलिब्रिटी ज्योतिषी और फेस रीडर पंडित जगन्नाथ गुरुजी ने एक दिलचस्प भविष्यवाणी करते हुए कहा है कि दीपिका और रणवीर के घर एक लड़का आने वाला है, जो ष्अपने माता–पिता के लिए राजकुमारष् होगा।रणवीर सिंह ने कल्कि की स्क्रीनिंग के बाद गर्भवती दीपिका पादुकोण को कार

तक पहुंचाया दीपिका अपनी मातृत्व यात्रा और स्टाइल की झलकियां साझा करती रही हैं। हाल ही में, उन्होंने प्रसवपूर्व योग करते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने फिट और स्वस्थ रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सेल्फ–केयर महीने के दौरान अपनी 5 मिनट की सेल्फ–केयर रूटीन साझा करते हुए कहा, ष्मुझे अच्छा वर्कआउट पसंद है। मैं श्अच्छा दिखनेश के लिए नहीं बल्कि श्फिट महसूस करनेश के लिए वर्कआउट करती हूं।ष फोटो में, वह विपरीत करणी का अभ्यास करती हुई दिखाई दीं, एक योग मुद्रा जिसमें दीवार के सहारे अपने पैरों को ऊपर करके लेटना शामिल है। यह कायाकल्प करने वाला आसन अपने कई लाभों के लिए जाना जाता है, जिसमें तंत्रिका तंत्र को शांत करना और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना शामिल है,

बाडीकान ड्रेस पहने दिखीं श्रद्धा दास, एक्ट्रेस पर से नहीं हटी फैंस की नजरें

साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपनी हॉट फोटोज को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं में रहती हैं। वो आए दिन अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस श्रद्धा दास आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट पोस्ट शेयर कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका गॉर्जियस अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने फोटोशूट के दौरान बॉडीकोन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप और न्यूड लिप

शेड लगाकर एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा – सो गॉर्जियस और दूसरे ने कॉमेंट करते हुए लिखा– टू मच हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक कर के लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम अब नई तारीख पर होगी रिलीज,

करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा समर्थित शकिलश के साथ क्लैश से बचने के लिए प्रोडक्शन हाउस और आर्टिस्ट ने कुछ दिन पहले इस फैसले की जानकारी दी थी। हालांकि, इंतजार खत्म हो

गया है क्योंकि अजय और फिल्म निर्माता नीरज पांडे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की है। अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था बीते कई दिनों से लगातार चर्चा में बनी हुई है। निर्देशक नीरज पांडे की अपकमिंग फिल्म में अजय देवगन के अलावा तब्बू भी दिखाई देंगी। रोमांटिक थ्रिलर इस फिल्म का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। अजय देवगन–तब्बू अभिनीत फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज डेट को निर्माताओं ने स्थगित कर दिया था। अब इस फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है।करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा समर्थित शकिलश के साथ क्लैश से बचने के लिए प्रोडक्शन हाउस और आर्टिस्ट ने कुछ दिन पहले इस फैसले की जानकारी दी थी। हालांकि, इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि अजय और फिल्म निर्माता नीरज पांडे ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की है।अजय ने अपने पोस्ट में लिखा कि 2 अगस्त को इंतजार खत्म होता है!

स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म में आलिया भट् के साथ नजर आएंगी

इस वीडियो की शुरुआत आलिया की आवाज से होती है, जो कह रही है कि ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर, और हमारे कार्यक्रम का मोटो। सबसे पहले, सबसे तेज। सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है। और जंगल में हमेशा राज करेगा... अल्फा।बॉलीवुड डायरेक्टर आदित्य चोपड़ा ने अपने स्पाई यूनिवर्स की नयी फिल्म की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है। इस फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगी। आलिया के साथ मुंज्या फेम अभिनेत्री शरवरी भी इस फिल्म में अहम किरदार निभाने वाली हैं। दोनों अभिनेत्रियों ने मिलकर शुक्रवार को अपनी नयी फिल्म के टाइटल की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर एक छोटा सा वीडियो साझा किया।इस वीडियो की शुरुआत आलिया की आवाज से होती है, जो कह रही है कि ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर, और हमारे कार्यक्रम का मोटो। सबसे पहले, सबसे तेज। सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है। और जंगल में हमेशा राज करेगा... अल्फा। आलिया और शरवरी की एक्शन थ्रिलर फिल्म का नाम श्अल्फाश रखा गया है।

निरीक्षण में विद्यालय बंद पाए जाने पर संविलियन विद्यालय पकड़ी खास के प्रधानाध्यापक निलंबित

विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापकों एवं शिक्षामित्र को अनुपस्थित पाये जाने के कारण वेतन अवरुद्ध कर स्पष्टीकरण किया गया जारी

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने प्रधानाध्यापक संविलियन विद्यालय पकड़ी खास (1–8). वि०क्षे०देवरिया सदर आरयेन्द्र कुमार राय को विद्यालय बन्द पाये जाने तथा बिना अवकाश स्वीकृति एवं बिना किसी ठोस कारण के विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापकों एवं शिक्षामित्र को अनुपस्थित पाये जाने के कारण तथा प्रधानाध्यापक की स्वेच्छाचारिता, सौपे गये कार्यों एवं दायित्वों के निर्वहन में की गयी घोर लापरवाही तथा विभागीय आदेशों ६ निर्देशों की अवहेलना के साथ–साथ उ०प्र० सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली एवं अध्यापक सेवा नियमावली के सर्वथा विपरीत पाये जाने के दृष्टिगत निलंबित किया है। बीएसए ने बताया है कि निलम्बन अवधि में ब्लॉक संसाधन केन्द्र देवरिया सदर पर सम्बद्ध किया गया है। अनुशासनात्मक कार्यवाही के क्रम में प्रकरण की जांच हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी वि०क्षे०–पथरदेवा को जांच अधिकारी नामित कर निर्देशित किया गया है कि वे सम्बन्धित प्रधानाध्यापक के विरूद्ध परिलक्षित गम्भीर आरोपों के सम्बन्ध ा में प्रकरण की गम्भीरता पूर्वक जांच करते हुए पक्ष कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निलम्बन अवधि में आरयेन्द्र कुमार अपनी जांच आख्या 15 दिवस के अन्दर एवं इसके साथ इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे कि वे किसी अन्य सेवा योजना व्यवसाय–वृत्ति में नही लगे हैं तभी प्राविधानों के अनुसार नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। बिना

अवकाश स्वीकृति एवं बिना किसी ठोस कारण के विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापकों एवं शिक्षामित्र को अनुपस्थित पाये जाने के कारण साक्ष्यमय स्पष्टीकरण 03 दिवस के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इस विद्यालय के अवध ेश स०अ०,यशवन्त सिंह स०अ०, वंदिता पाण्डेय स०अ०, रजनी तिवारी स०अ० एवं प्रभा पाण्डेय शि०मि० की अनुपस्थिति दिवस 06 जुलाई 2024 का वेतन अग्रिम आदेश तक अवरूद्ध किया गया है। समयान्तर्गत स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कराये जाने की दशा में अथवा प्राप्त स्पष्टीकरण प्रभावी न होने की दशा में उनके विरूद्ध अध्यापक सेवा नियमावली, शिक्षक आचरण नियमावली व उ०प्र० सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत अग्रिम अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी होगी।

भाजपा ने किया कार्यकर्ता और मतदाताओं का अभिनंदन

कार्यकर्ताओं को भी मिले योजनाओं का लाभ - शशांक मणि

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। औरा चौरी स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि ये बड़े सौभाग्य की बात है कि आज हम सब देश के एक ऐसे महापुरुष के जयंती के अवसर पर यहां उपस्थित हुए हैं जिन्होंने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान का नारा दिया और इसके लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया आज यशश्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से धारा 370 हटाकर यह ऐतिहासिक कार्य सम्पन्न हुआ है । उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमारे कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत के साथ लड़ाई लड़ी और परिणाम हमारे पक्ष में आए इसके लिए आप सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को कोटि कोटि प्रणाम करता हूं । लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से विपक्षियों ने खटाखट और संविधान बदलने की अफवाह फैलाई देश की सेना के बारे में झूठ बोला और लोगों के बीच ये गलत प्रचार किया, उसका जवाब जनता ने मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर दे दिया है । उन्होंने कहा कि हम अपने परिश्रमी और निष्ठावान कार्यकर्ताओं और सम्मानित जनता के आशीर्वाद के बल पर आने वाले 27 के विध ानसभा चुनाओं में देवरिया जनपद की सातों सीटों पर प्रचंड जीत का परचम लहराएंगे । उन्होंने उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार जताया और सभी को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया । उन्होंने कहा कि एक तरफ ये आराजक तत्व है और दूसरी तरफ विकसित भारत का लक्ष्य और ये विकसित भारत

का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा । उन्होंने कहा कि सरकार की जितनी भी जनहित की योजनाएं चल रही हैं उनका लाभ जनता को तो मिल ही रहा है हमारे कार्यकर्ताओं को भी इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिले इसके लिए मैं पूरी ताकत के साथ काम करूंगा । उन्होंने कहा कि हम तो विकसित भारत का संकल्प लेकर चल रहे हैं जो भारत की अंतिम पंक्ति की जनता के सर्वांगीण विकास के लिए मोदी जी का सपना है और इस अपने को साकार करने के लिए वो दिन रात काम भी कर रहे हैं इन बातों को हम जनता के बीच लेकर जाएं और उन्हें बताएं कि हम खुद के लिए नहीं 140 करोड़ देशवासियों के सम्मान के लिए लड़ रहे हैं और यह लड़ाई आप सबके प्रयास से ही जीती जा सकती है । 24 के चुनाव में विपक्षियों द्वारा भ्रामक प्रचार किया गया कि भाजपा के लोग संविधान बदल देंगे, जबकि संविधान को इन्ही कांग्रेस के लोगों द्वारा कई बार बदला गया और 1975 में देश को आपातकाल जैसा दंश झेलना पड़ा तमाम बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया प्रेस की स्वतंत्रता छीन ली गई । देश के इतिहास में आपातकाल जैसा कला अध्याय लिखने का काम कांग्रेस के लोगों ने किया ।सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि चुनाव में एक प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना हम लोगों ने किया लेकिन फिर भी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और मतदाता का आशीर्वाद हम सभी को मिला इसके लिए मैं अपने कार्यकर्ता साथियों और सम्मानित मतदाताओं को कोटि कोटि ध न्यवाद देता हूं । मैं पूरे दावे के साथ कहता हूं कि पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए मैं हमेशा लड़ता रहूंगा । उन्होंने कहा कि संसद के भीतर राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना के बारे में भ्रामक झूठ बोला लेकिन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके झूठ का करारा जवाब दिया । आज सारे झूठे लोग इकट्ठा होकर सरकार को कमजोर करना चाहते हैं लेकिन ये लाख कोशिश कर लें अपने मंसूबे में सफल नहीं हो पाएंगे । जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जयंती के अवसर पर उनको नमन करता हूं । उन्होंने कश्मीर को भारत का अंग बनाने के लिए अपना बलिदान दे दिया । उन्होंने लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि जून की प्रचंड गर्मी में भी आपके अथक प्रयास के बाद हम सबने देवरिया का चुनाव जीता और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए अपना योगदान दिया । हम संगठन के कार्यकर्ता हैं और हम अनवरत कार्य करते रहेंगे । पार्टी जिला से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं का सम्मान कर रही है । चुनाव में मातृशक्तियों की अहम भूमिका रही । सपा 543 सीटों में से सिर्फ 37 सीटे जीतकर इतरा रही है, शासन प्रशासन और जनता के बीच इन सपाइयों का आतंक अभी से शुरू हो गया है आने वाले समय में जनता इन्हे पुनः अपने घर भेज देगी । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने डा० मुखर्जी को नमन करते हुए कहा कि हमने देवतुल्य कार्यकर्ताओं के बल पर बांसगांव और देवरिया लोकसभा की दोनो सीटें जीतकर पार्टी की झोली में डालने का कार्य किया ।

भारतीय परंपरा को सुशोभित करते हुए संसद में हमारे सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने देवरिया का सम्मान बढ़ाया और बांसगांव से सांसद कमलेश पासवान को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाकर मोदी जी ने देवरिया का गौरव बढ़ाया है । उन्होंने कहा कि जो हमारे मतदाता हैं किसान भी हैं मजदूर भी हैं छात्र भी हैं और महिलाएं भी हैं इन सभी का अभिनंदन समारोह में कोटि कोटि स्वागत है । आने वाले 27 के विधानसभा चुनाव में हमे संगठित होकर पूरी ताकत के साथ उतरना है ।श एक सरकार एक अभियानश के तहत दोगुनी ऊर्जा के साथ हमे जनता का समर्थन प्राप्त करना है । कार्यक्रम को पूर्व जिलाध्यक्ष मारकंडे शाही, नपा अध्यक्ष अलका सिंह, पूर्व विधायक रविंद्र प्रताप मल्ल ने भी संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री प्रमोद शाही ने किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, अजय शाही, महामंत्री रविंद्र कौशल, अजय उपाध्याय, कृष्ण नाथ राय, प्रेम अग्रवाल, निर्मला गौतम, मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, भारती शर्मा, पवन मिश्रा, गोविंद चौरसिया, रंजीत सिंह, गौरी बाजार चेयरमैन प्रदीप मदेशिया, ब्लाक प्रमुख पिंटू जायसवाल, प्रभाकर राय, अंकुर राय, मंडल अध्यक्ष रमेश वर्मा, जितेंद्र सिंह, अरविंद चौहान, आदित्य सिंह, दुर्गेशनाथ त्रिपाठी, सुधीर श्रीवास्तव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जनपद में प्रथम बार आगमन पर केंद्रीय राज्य मंत्री का हुआ भव्य स्वागत

ब्यूरो अंकित वर्मा देवरिया। बांसगांव लोकसभा से निर्वाचित सांसद कमलेश पासवान को केंद्रीय मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री बनाए जाने के बाद शनिवार को जनपद देवरिया में प्रथम बार आगमन पर जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह की अगुआई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहर के सुभाष चौक फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया । केंद्रीय राज्य मंत्री ने चौक पर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और भव्य स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं का आभार जताया । इस अवसर पर एमएलसी डा रतनपाल सिंह, बरहज विधायक दीपक मिश्र शाका, जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे, संजय सिंह एडवोकेट, राजेश मिश्रा, महामंत्री प्रमोद शाही, रविंद्र कौशल, मोहन उपाध्याय, मनीष मल्ल, अक्षय प्रताप सिंह, रमेश वर्मा, दीनबंध सिंह, दिलीप जायसवाल, गिरिजेश सिंह, मनीष सहाय, आशु सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील रुद्रपुर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का किया गया आयोजन

कुल 19 प्रकरण आये, 5 का हुआ समाधान

समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर होगी कठोर कार्रवाई-डीएम

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। शनिवार को जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर रुद्रपुर तहसील में जनसमस्याओं की सुनवाई की। कुल 19 प्रकरण आये जिसमें से 5 का समाधान हुआ। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा द्वारा जनता की समस्याओं को गम्भीरता के साथ सुनने के उपरान्त विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निराकरण करने के सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जन समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि लेखपाल अपने हलके में नियमित रूप से भ्रमणशील रहें तो राजस्व से जुड़े अधिकांश प्रकरणों का त्वरित समाधान हो सकता है। लेखपाल यदि किसी प्रकरण के समाधान के लिए मौके पर जाते हैं तो समस्या का स्थायी हल दिखना चाहिए। विवाद की स्थिति में सभी पक्षकारों को समझाया जाए और यदि किसी प्रकरण में कानून व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना हो तो जरूरत के मुताबिक लोगों को पाबंद भी किया जाए। डीएम ने समाधान दिवस पर नई पद्धति प्रारंभ की है जिसमें फरियादी के साथ संबंधित क्षेत्र का लेखपाल भी मौजूद रहता है। इससे प्रकरण के विषय में सभी पक्षों की जानकारी मिल रही है। साथ ही अधिक शिकायत वाले ग्राम पंचायतों के लेखपाल भी चिन्हित हो रहे हैं। डीएम ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली अधिकांश शिकायतें पैमाइश, पारिवारिक संपत्ति विवाद, खलिहान की भूमि पर अवैध कब्जे से जुड़ी होती है यदि लेखपाल अपने क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे तो शिकायतों की संख्या में भी कमी आएगी । उन्होंने कहा कि यदि किसी लेखपाल के द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मिली तो सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रयास यह हो कि कोई भी फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर कही न भटके। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का निस्तारण आज नहीं हो सका है उनका एक सप्ताह के अंदर शासन की मंशानुसार गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण हो जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जो समस्याएं जिस स्तर की हैं उनका समाधान उसी स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने पुलिस विभाग से जुडे मामलों की सुनवायी की व पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं थानाध्यक्षो को प्राप्त सभी सन्दर्भो का निस्तारण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित कराये जाने का निर्देश दिया। तहसील रुद्रपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 19 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से राजस्व विभाग के 13, पुलिस विभाग के 01, विकास विभाग के 01 तथा अन्य विभाग के 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर किया गया। अवशेष 14 प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग को समाधान के निर्देश के साथ सौंपा गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं थानाध्यक्ष गण उपस्थित थे। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया पौधारोपण जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने तहसील परिसर में पौधों का रोपण किया। डीएम ने जनपदवासियों से 20 जुलाई को होने वाले बृहद पौधारोपण कार्यक्रम में बढचढ़कर भाग लेने का अनुरोध भी किया।

शिक्षाविद चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी– धर्मराज मौर्य

भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी आयोजित कर मनाई गई डश्व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

कौशाम्बी। भारतीय जनसंघ के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में विशेष संगोष्ठी का हुआ आयोजन हुआ। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद कर उनके चित्र पर दीप प्रज्वलित कर प्रणाम करते हुए श्रद्धाजलि दिया गया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित करते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उनके बारे में विस्तार से बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक शिक्षाविद चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे।श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन के सारे घटनाक्रम को विस्तार पूर्वक बताया । जिलाध्यक्ष श्री धर्मराज मौर्य जी संबोधित करते हुए कहा श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यक्ति नही विचार थे ।श्यामा प्रसाद मुखर्जी हमेशा से चाहते थे कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग हो संसद में अपने भाषण में धारा 370 का भी जोरदार विरोध ा किया था और साथ ही आज देश के यशश्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने धारा 370 को हटाकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धाजलि दी है । जन्म दिवस के मौके पर जिला अध्यक्ष श्री धर्मराज मौर्य जी ने ये अनुरोध करते हुए कहा कि वृक्षारोपण के कार्य निरंतर सभी कार्यकता अपने माँ के नाम से आगे लगाना जारी रखेंगे। और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता व पदाधिकारी कम से कम एक पेड़ जरूर लगाएं और सरल एप्प पर फोटो लेकर अपलोड करें।इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य सिराथू के निवर्तमान विधायक शीतला प्रसाद पटेल मंझनपुर निवर्तमान विधायक लाल बहादुर, संजय जायसवाल, आशीष केशरवानी, राकेश पाण्डेय, नीतू कनौजिया, कविता पासी, दीप चंद्र दिवाकर, भोले शंकर कुशवाहा, बबलू गर्ग, जिला मीडिया सह प्रभारी ज्ञानेंद्र साहू, सत्यम केसरवानी, जीतेन्द्र साहू, आशुतोष पटेल, तूफान यादव शिवप्रताप मौर्य तमाम कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,चायल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,चायल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान पंजीकरण कक्ष,लैब,ओ0पी0डी कक्ष,नेत्र परीक्षण कक्ष,चर्म–कुष्ठ रोग परीक्षण कक्ष,जनरल वार्ड एवं एक्सरे रूम आदि का निरीक्षण कर चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 ललित सिंह से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने मरीजों से वार्ता कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त करते हुए उपलब्ध ा हो रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में पूछने पर बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध हो रही है। उन्होंने आर0बी0एस0के0 कक्ष के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों से टीम द्वारा किये गये विद्यालयों एवं आगनवाडी केन्द्रों के भ्रमण तथा बच्चों के साथ स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त किया। अस्पताल की साफ–सफाई ठीक पायी गयी। चिकित्सा अधीक्षक ने लैब, प्रयोगशाला कक्ष के निरीक्षण के दौरान बताया कि 55 मरीजों का पंजीकरण किया गया, जिसमें मलेरिया की जॉच, सी0बी0सी0, टाईफाइड, हिमोग्लोबिन आदि जॉच की गई। उन्होंने बताया कि आज जे0एस0वाई0 के तहत 15 महिलाओं का पंजीकरण किया गया,जिसमें 05 मरीजों को आयरन सुक्रोज चढाया जा रहा हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार एवं उप जिलाधिकारी श्री योगेश कुमार गौड़ सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

किसान फार्मर रजिस्ट्री हेतु लेखपालों को दिया गया प्रशिक्षण

सिराथू, कौशाम्बी। किसान सम्मान निधि मिलने से पहले अब किसान रजिस्ट्री होगी। असली किसानों को ही किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल सकेगा। कृषि विभाग किसानों के खेत की टैगिंग करेगा। किसान की रजिस्ट्री होने के बाद लेखपाल के प्रमाणित करते ही अब किसान निधि खाते में पहुंचेगी।

किसान फार्मर रजिस्ट्री को लेकर तहसील सभागार सिराथू में शनिवार को नायब तहसीलदार विनय कुमार सिंह व नायब तहसीलदार संजय कुमार ने लेखपालों को प्रशिक्षण दिया । इस दौरान नायब तहसीलदार ने प्रशिक्षण देते हुए लेखपालों को बताया की 8 जुलाई से 8 अगस्त तक गांव गांव में कृषि विभाग के कर्मचारी शिविर लगाकर किसान के खेत का रजिस्ट्रेशन करेंगे। विभाग किसान से उसका आधार कार्ड, मोबाइल नंबर लेकर जियो टैगिंग करेंगे। इसके बाद किसान के मोबाइल पर 24 घंटे में ओटीपी नंबर आएगा। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद किसान का रजिस्ट्रेशन कार्ड बन जाएगा। रजिस्ट्रेशन कार्ड को क्षेत्रीय लेखपाल उसको प्रमाणित करेगा। इसके बाद किसान के खाते में किसान सम्मान निधि खाते में पहुंचेगी। साथ ही किसानो का डाटा ऑनलाइन होने से किसानो को केसीसी व पीएम किसान सम्मान निधि , सब्जिडी, खाद , बीज आदि के लिए परेशानी नहीं होगी । बैठक में नायब तहसीलदार विनय कुमार सिंह , नायब तहसीलदार संजय कुमार सहित लेखपाल संघ अध्यक्ष सुनील दिवेदी , कमल सिंह , वहाज खान , मान सिंह , शिव शंकर पाल , नेहा जैन , प्रियका देवी , आत्या देवी अनुराधा वर्मा , मुकेश पटेल , दुर्गेश कुमार , प्रदीप सिंह , दिलीप कुमार , जीतलाल , सुनील श्रीवास्तव , सोहनलाल , विनोद सोनकर देवेंद्र सिंह , उमेश केसरवानी सहित समस्त लेखपाल मौजूद रहे ।

सिराथू में 125 में 6 शिकायतो का निस्तारण

सिराथू, कौशाम्बी। जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण के लिए शासन के निर्देश पर शनिवार को तहसील सभागार सिराथू में तहसील स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसडीएम सिराथू महेंद्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमे राजस्व, पुलिस, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित कुल 125 फरियादियों ने अपनी शिकायते दर्ज कराई जिसमे अधिकारियो ने 6 शिकायतो का मौके पर ही निस्तारण करा दिया , शेष शिकायतो को विभागवार भेजी गई है ।इस दौरान एसडीएम सिराथू ने मौजूद अधिकारियो को निर्देश देते हुए कहा की शिकायतो की जांचकर गुणवत्तापुर्ण समय पर निस्तारण करे। इस मौके पर तहसीलदार सिराथू पूर्णिमा सिंह , नायब तहसीलदार विनय कुमार सिंह , संजय कुमार , खंड विकास अधिकारी कड़ा दिनेश चंद्र , विद्युत उपखंड अधिकारी सिराथू प्रभात कुमार , सीडीपीओ सिराथू मनोज वर्मा , पूर्ति निरीक्षक कड़ा राम कुंवर

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।